मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा-पंजाब एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.ajaybharat.com

दैनिक अजय भारत sunday

भिण्ड

रविवार, 9 अगस्त 2026

वर्ष: 12, अंक: 314

पेज:08, मूल्य ₹2.00 रूपये

5 हजार इंटरनेशनल मैचों वाला पहला फॉर्मेट बना वनडे

ऑस्ट्रेलिया जीत में आगे, सचिन रनों के बादशाह, कोहली शतकों के किंग

5000 वनडे पूरे

■ 55 साल में कितना बदला यह प्रारूप?

■ सचिन-अकरम-वास और रोहित-कोहली रिकॉर्ड बुक में छाए

नई दिल्ली। एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार किसी फॉर्मेट में 5 हजार मैच पूरे हो गए हैं। यह उपलब्धि हासिल हुई वनडे को। जिस स्कॉटलैंड में अभी कॉमनवेल्थ गेम्स हुए हैं वहीं 5000वां वनडे मैच भी खेला गया। शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच हुए इस मुकाबले को स्कॉटलैंड ने 9 रन से जीत लिया।

वनडे फॉर्मेट 1971 में वजूद में आया। था। टेस्ट क्रिकेट शुरू होने के 94 साल बाद। टेस्ट अभी 3000 मैचों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचा है और वनडे ने 5 हजार मैचों का सफर पूरा कर लिया है। 1971 से अब तक 55 सालों में 29 देशों ने वनडे खेले। इसी फॉर्मेट से वर्ल्ड कप का कॉन्सेप्ट आया और इसी फॉर्मेट में भारत पहली बार चैंपियन भी बना।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा मैच किसने खेला, सबसे ज्यादा जीत किस टीम को मिली, सबसे ज्यादा रन और शतक किसने बनाए, गेंदबाजी में सबसे आगे कौन है? इन सभी सवालों के

3. पाकिस्तान विदेश में भारत से ज्यादा मैच जीता- ऑस्ट्रेलिया और भारत ने घर पर सबसे ज्यादा मैच जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया को 298, भारत को 235 मैचों में जीत मिली। पाकिस्तान ने विदेश में 395, जबकि भारत ने 340 मैच जीते हैं।

4. ऑस्ट्रेलिया 6 बार वर्ल्ड कप जीता- वनडे वर्ल्ड कप के 13 एडिशन खेले जा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 6 ट्रॉफी जीती हैं। भारत और वेस्टइंडीज के नाम 2-2 खिताब हैं।

5. सचिन ने 463 मैच खेले- सचिन ने वनडे में सबसे ज्यादा 463 वनडे मैच खेले हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के चार, पाकिस्तान के 3, भारत के 2 और ऑस्ट्रेलिया के एक खिलाड़ी शामिल हैं।

6. टॉप-10 रन स्कोरर में चार भारतीय- वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 खिलाड़ियों में चार भारतीय शामिल हैं। सचिन पहले, कोहली दूसरे, रोहित शर्मा तीसरे और सौरव गांगुली चौथे स्थान पर हैं।

7. कोहली, सचिन, रोहित के सबसे ज्यादा शतक- कोहली ने वनडे में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाए हैं। सचिन 49 शतक के साथ दूसरे, जबकि रोहित 34 शतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रिकी पोंटिंग 30 शतक के साथ चौथे नंबर पर हैं।

8. मुरलीधरन ने 534 विकेट लिए- श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने वनडे में 350 मैच में 534 विकेट लिए हैं। सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल का रिकॉर्ड पाकिस्तान के वकार युनूस के नाम है। उन्होंने 13 बार पारी में 5 या ज्यादा विकेट लिए हैं।

9. कप्तानी का रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम- सबसे ज्यादा वनडे मैचों में कप्तानी का रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम है।

10. रोहित का हाईएस्ट स्कोर, धोनी स्टंपिंग में आगे- वनडे का हाईएस्ट स्कोर रोहित के नाम हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ एक पारी में 264 रन बनाए थे। सबसे ज्यादा 369 छक्कों का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हैं। सचिन ने सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज खिताब जीता। धोनी ने सबसे ज्यादा 123 स्टंपिंग की।

1. पहला इंटरनेशनल मैच 1877 में खेला गया

क्रिकेट का पहला फॉर्मेट टेस्ट है। 1877 में पहला टेस्ट मैच खेला गया था। अब तक 2629 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। वहीं टी-20 की शुरुआत 2004 में हुई थी।

2. भारत 575 मैच जीता

भारत ने 1081 वनडे में 575 मुकाबले जीते। मैचों के मामले में ऑस्ट्रेलिया दूसरे, जबकि जीत के मामले में पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया को 1025 मैचों में 619 में जीत मिली। पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है। उसने 1002 मैच खेले और 529 में जीत दर्ज की।

जवाब आगे मिलेंगे...

न्यूज कॉर्नर

जिनेवा के यूएन ऑफिस में भारत के दिए 5 मोर पहुंचे

जिनेवा। (ए.) संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जिनेवा में भारत की ओर से उपहार में दिए गए 5 नए मोर पहुंचे हैं। इन मोरों को स्विट्जरलैंड स्थित 'पैलेस ऑफ नेशंस' के परिसर में रखा गया है। भारत की ओर से यह गिफ्ट संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और एक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाता है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने इसे भारत और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी का एक नया आयाम बताया है। मिशन ने एक्स पर लिखा, 'साझेदारी का एक और आयाम। भारत ने यूएन जिनेवा को 5 युवा मोर उपहार में दिए हैं। राष्ट्रीय पक्षी होने के कारण मोर हर भारतीय के दिल में खास जगह रखते हैं।'

मोरों को गिफ्ट में देने का उद्देश्य क्या है?

संयुक्त राष्ट्र जिनेवा ने भी भारत के इस गिफ्ट का स्वागत किया। यूएन जिनेवा ने एक्स पर लिखा,'पांडा डिप्लोमेसी को भूल जाइए। 5 युवा मोर यूएन जिनेवा पहुंच गए हैं। ये भारत की ओर से दिया गया गिफ्ट हैं और उस परंपरा को जारी रखते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी है। जिनेवा के इन सबसे नए और सबसे शानदार राजनयिकों से

इंदौर में 'इंहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' सम्मेलन का आयोजन किया गया

अंग्रेजों के पुराने कानून खत्म फास्ट ट्रैक कोर्ट से त्वरित न्याय

इंदौर। अजयभारत न्यूज

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में शनिवार को वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस 'इंहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार न्यायपालिका की भावना के अनुरूप उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिए सरल, सुलभ और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, सुप्रीम कोर्ट एवं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों सहित बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत में न्याय की अवधारणा कोई नई व्यवस्था नहीं है। हमारी परंपरा में 'पंच परमेश्वर' के माध्यम से विवादों का समाधान समझाइश, संवाद और आपसी सहमति से किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में संवाद और समाधान की यह परंपरा आज भी प्रासंगिक है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंग्रेजों के दौर के कई गैर-जरूरी कानूनों को समाप्त किया गया है। जनविश्वास अधिनियम, ई-केस फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई और डिजिटल डेटा संग्रह जैसी व्यवस्थाओं ने न्याय प्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाने में मदद की है।

चार फास्ट ट्रैक कोर्ट

मुख्यमंत्री ने युवाओं के भविष्य से जुड़े पेपर लीक और धोखाधड़ी के मामलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में 24 घंटे के भीतर चार फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए गए हैं।उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मामलों में तेजी से न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

यूसीसी को लेकर भी सीएम ने रखी बात

डॉ. मोहन यादव ने संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक विधानसभा में पारित किया गया है। उन्होंने इसे सर्वधर्म सद्भाव और समानता को मजबूती देने वाला कदम बताया।मुख्यमंत्री ने मालवा की धरती पर न्याय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख करते हुए सम्राट विक्रमादित्य और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के निष्पक्ष न्याय के उदाहरणों को भी याद किया।

आईआईटी दिल्ली के छात्रों से बोले पीएम मोदी

Gen Z सशक्त तो देश सशक्त

यह भी कहा - आपके मन में कुछ और चल रहा होगा, मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूं

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली से ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को बधाई दी। इस दौरान उनका मजाकिया अंदाज देखने को मिला। उन्होंने छात्रों से कहा, 'आप लोगों के मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो चलता होगा।' पीएम ने छात्रों से कहा कि वे पीछे मुड़कर देखें और अपने टीचर्स और सपोर्ट स्टाफ को शुक्रिया अदा करें क्योंकि वे जिंदगी में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली के 57वें कॉन्वोकेशन सेरेमनी में हिस्सा लेते हुए, पीएम मोदी ने होनहार स्टूडेंट्स को इंस्टीट्यूट के सबसे जाने-माने सम्मान दिए, जिनमें प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल, डायरेक्टर गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'कई स्टूडेंट्स को उनकी कामयाबी के लिए मेडल मिले हैं। मैं आप सभी को दिल से बधाई देता हूं। हालांकि, अगर उनमें कुछ और लड़कियां होतीं तो और भी अच्छा होता। सॉरी। सिर्फ एक या दो क्यों? और भी होनी चाहिए थीं। जैसे आज आपके परिवार गर्व महसूस कर रहे हैं, वैसे ही मुझे भी आप सभी पर गर्व है।' आईआईटी दिल्ली से दुनिया का सामना करने के लिए बाहर निकलते समय स्टूडेंट्स की चिंताओं पर ध्यान देते हुए पीएम मोदी ने उनसे इस पल को पूरी तरह से जीने के लिए कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि वे अपने आगे के सफर में टीचर्स और कैंपस लाइफ को न भूलें।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा झारखंड छात्र आन्दोलन

जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली। एजेंसी

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 2025 की संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरीशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर परीक्षा की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र जांच कमेटी से कराने की मांग की है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की गई है।

पीएम मोदी से मिले योगी क्या संदेश...क्या संकेत?

नई दिल्ली। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी, प्रधानमंत्री से मिलने के लिए नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास गए, जहां दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। सीएम योगी, पीएम मोदी से मिलने क्यों पहुंचे हैं और क्या बात हुई है, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

HIGHLIGHTS NEWS

हाईलाइट्स न्यूज

धर्म/आस्था

सावन शिवरात्रि पर भद्रा का साया...

सावन के पवित्र महीने में आने वाली सावन शिवरात्रि का धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में सावन शिवरात्रि 11 अगस्त, मंगलवार को मनाई जाएगी,सावन शिवरात्रि की पावन तिथि पर भद्रा का साया भी रहने वाला है। ऐसे में श्रद्धालुओं के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या भद्रा काल का असर जलाभिषेक और पूजा पर पड़ेगा?

मोहन भागवत

विश्वगुरु बनना है तो...

मोहन भागवत का कहना है कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हाशिए पर छूटे पारधी जैसे वंचित समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ना बेहद आवश्यक है। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के कारण पिछड़ा यह देशभक्त समाज आज भी अपने उत्थान के लिए प्रयासरत है और संघ इनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रहा है।

अदाणी ग्रुप

4 दिन में बनाई दो कंपनियां

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप की मुख्य कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने बिजनेस ऑपरेशन्स को बढ़ाने के लिए एक नई सब्सिडियरी कंपनी बनाने की घोषणा की है। कंपनी की तरफ से स्टॉक एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई को दी गई जानकारी के मुताबिक इस नई कंपनी का नाम 'एएसीएल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड' (एएसीएल ग्लोबल) रखा गया है।

कार्टून कॉर्नर

खास खबर महिला आरक्षण विधेयक पर रिजिजू-राहुल में X पर वॉर

महिला बिल पर पोस्टर वार... कांग्रेस को गलतियों का एहसास नहीं...

नई दिल्ली। एजेंसी

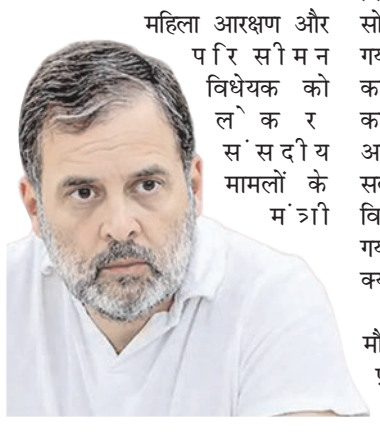

महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक को लेकर संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच सोशल मीडिया एक्स पर वॉर शुरू हो गया है। शनिवार को किरेन रिजिजू कांग्रेस पर अपनी गलतियों और कमियों को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया, जबकि राहुल गांधी ने सवाल किया कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पहले ही पारित हो गया है, तो फिर अभी तक इसे लागू क्यों नहीं किया गया है?

एक्स पर एक पोस्ट में, रिजिजू ने मौजूदा कांग्रेस नेतृत्व की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से करते हुए कहा कि उन्होंने आपातकाल के दौरान अपने किए गए कामों को साफ माना था। इंदिरा गांधी का एक वीडियो शेयर करते हुए, रिजिजू ने लिखा, हालांकि... हम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की नीतियों और उठाए गए कदमों से सहमत नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अपने किए गए कामों को साफ-साफ स्वीकार किया था।

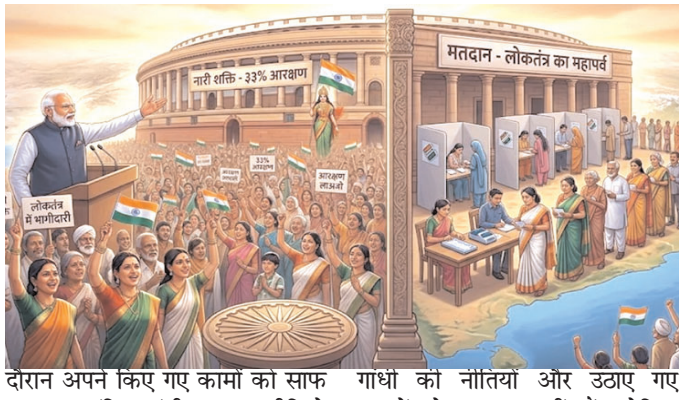

राहुल गांधी ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

गांधी ने कानून को लागू करने को परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ने के केंद्र के फैसले पर सवाल उठाया। कांग्रेस की बात दोहराते हुए, राहुल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। उन्होंने लिखा रिजिजू, संसदीय मामलों के मंत्री होने के नाते आपसे बेहतर कौन जानता होगा - कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पहले ही कांग्रेस के पूरे समर्थन से बिना किसी सहमति के पास हो चुका है।

रिजिजू ने राहुल को दिलाई इंदिरा की याद

रिजिजू ने आगे कहा, अब, कांग्रेस पार्टी को अपनी गलतियों और कमियों का भी एहसास नहीं हो रहा है।' वीडियो में, इंदिरा गांधी पूर्व उप प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और दूसरे विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी का बचाव करती दिख रही हैं। उनका आरोप है कि वे लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। रिजिजू की यह टिप्पणी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन देने की पार्टी को चुनौती देने के कुछ घंटों बाद आई है।

दरवाजे पर सरकार आए हैं... कोई पैरों में गिरा तो कोई गले से लिपट गया

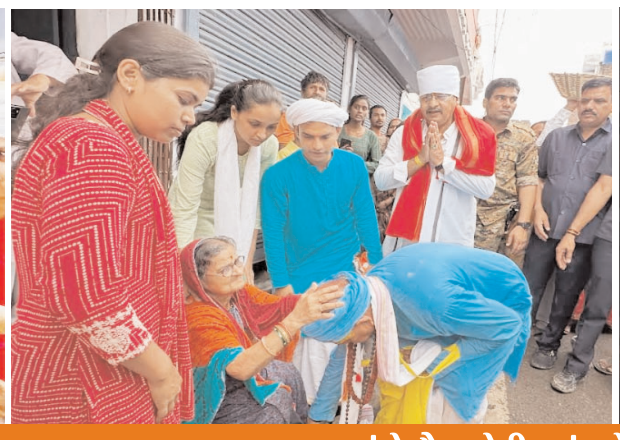

खास बातें

» रावतपुरा सरकार नंगे पैर झोली लेकर सागर में घर-घर पहुंचे

» लोगों से घर की पहली रोटी गौमाता के लिए निकालने की अपील की

» काली तिगड्डा से शुरू हुई सेवा यात्रा कई मंदिरों से होते हुए गणेश घाट पहुंची

›› विश्व विख्यात संत श्रीश्री रवि शंकर जी महाराज रावतपुरा सरकार नंगे पैर रोटी मांगने निकले, गोमाता के लिए गजब अभियान

सागर।अजयभारत न्यूज

हाथों में झोली और कंक्रीट की सड़कों पर नंगे पैर...गोमाता की मौन पुकार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संत रावतपुरा सरकार महाराज सागर की सड़कों पर उतरे। %एक रोटी गाय के लिए अभियान के तहत उन्होंने घर-घर जाकर गोमाता के लिए पहली रोटी मांगी। गोमाता की मौन पीड़ा को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में गोसेवा के संस्कारों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से सागर में %एक रोटी गाय के लिए% पुण्य अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार %रावतपुरा सरकार% महाराज स्वयं नंगे पैर, हाथों में झोली लेकर सागर की सड़कों पर घर-घर पहुंचे और नागरिकों से गोमाता के लिए एक रोटी देने का भावुक आग्रह किया। संत को नंगे पैर, हाथ में झोली लिए और केवल एक रोटी की गुहार लगाते देख शहर के नागरिक भावविभोर हो गए। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और शहरवासियों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए गोमाता के लिए पहली रोटी अर्पित की।

सनातन परंपरा को पुनर्जीवित करने की कोशिश

पदयात्रा के दौरान रावतपुरा सरकार ने नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल रोटियां एकत्र करना नहीं है, बल्कि उस प्राचीन सनातन परंपरा और संस्कार को हर घर में पुनर्जीवित करना है, जहां रसोई में भोजन बनने पर पहली रोटी गोमाता के लिए निकाली जाती थी।उन्होंने कहा, %एक रोटी देखने में छोटी जरूर लग सकती है, लेकिन किसी बेजुबान और मौन जीव के लिए वही सबसे बड़ी सेवा और उसका जीवन बन सकती है। अपने घर की पहली रोटी गोमाता के नाम निकालकर हर नागरिक को इस महायज्ञ का हिस्सा बनना चाहिए।

एक-एक दरवाजे पर पहुंचे सरकार

यह सेवा यात्रा शहर के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा की शुरुआत काली तिगड्डा स्थित काली मंदिर से हुई। इसके बाद छैल बिहारी मंदिर, बीजासेन मंदिर, गणेश घाट, राधा माधव मंदिर, गणेश मंदिर एवं गंगा मंदिर से होते हुए यात्रा पुनः गणेश घाट स्थित गणेश मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

नैतिक मूल्यों और एकाग्रता से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव: बीके प्रहलाद भाई

-विद्यार्थियों ने व्यसनों से दूर रहने तथा परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का लिया संकल्प

सागर।अजयभारत न्यूज

द गुरुकुलम स्कूल में विद्यार्थियों के लिए नैतिक शिक्षा, व्यवहारिक शिक्षा, पढ़ाई में एकाग्रता एवं मेडिटेशन विषय पर विशेष प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन, अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास तथा एकाग्रता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्थान के वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक एवं मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था है। केवल किताबी ज्ञान से ही जीवन में सफलता प्राप्त नहीं होती, बल्कि अच्छे संस्कार, सकारात्मक सोच, सही व्यवहार और आत्म-अनुशासन भी उतने ही आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी अपने मन को एकाग्र करना सीख लें तो पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मेडिटेशन की सरल विधि बताते हुए कहा कि नियमित ध्यान मन को शांत और एकाग्र बनाने के साथ ही नकारात्मक विचारों एवं तनाव को दूर करने में सहायक है। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट रहने, समय का सदुपयोग करने तथा माता-पिता, शिक्षकों और समाज के प्रति सम्मान एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया।बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि नशामुक्त भारत का निर्माण केवल किसी एक संस्था या सरकार के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि

इसमें बच्चों और युवाओं की जागरूक भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। यदि विद्यार्थी आज से ही नशे से दूर रहने का संकल्प लें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, तो समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

बच्चों ने लिया नशामुक्त जीवन का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा चलाए जा रहे 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों ने स्वयं सभी प्रकार के व्यसनों से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

यह रहे उपस्थित

विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने, पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में बीके पवन, गुरुकुलम स्कूल एसओटीसी हेड शैलेन्द्र सिंह, सीनियर कोऑर्डिनेटर श्रीदीपा, सुनील, शालिनी, अभिषेक, संदीप, निष्ठा, हेमा, आकांछा, पूजा, ज्योति, सपना, आदि शिक्षकगण उपस्थित

› मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया विभिन्न देशों के डेलिगेट्स का स्वागत और अभिनंदन 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक भोपाल में संपन्न

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर: सीएम डॉ. यादव

खास बातें

» भोपाल घोषणा पत्र से वैश्विक सांस्कृतिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा

» भोपाल घोषणा पत्र से व्यावहारिक और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त- केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत

सागर।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों एवं वैश्विक प्रतिनिधियों का सम्मेलन संपूर्ण राज्य के लिए अत्यंत गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक धरोहर, समृद्ध प्राचीन परंपराओं और ऐतिहासिक गौरव को विश्व पटल पर अत्यंत प्रभावशीलता और गर्व के साथ प्रस्तुत कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों और संस्कृति कार्य समूह की बैठकों के समापन अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों के गहन मंथन और बहुपक्षीय चर्चाओं के उपरांत सर्वसम्मति से %भोपाल घोषणा पत्र% को अपनाया गया, जो ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों, विरासत संरक्षण और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सीएम डॉ. यादव ने किया विभिन्न देशों के डेलिगेट्स का स्वागत और अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिक्स देश के प्रतिनिधियों और अन्य डेलिगेट्स का स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का स्वागत किया और उनके प्रति केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा इस अभिनव आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल और अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय चिंतन के मूल मंत्रों–%वसुधैव कुटुंबकम%, %जीओ और जीने दो% तथा %सर्वे भवंतु सुखिनः%–का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की यह प्राचीन अवधारणा विश्व शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि देश का %हृदय स्थल% मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी और मेजबान बनकर गौरवान्वित हुआ है। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक चेतना, ऐतिहासिक स्थापत्य कला और जनजातीय विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विदेशी मेहमानों को राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति, विशिष्ट व्यंजनों और आत्मीय आतिथ्य का एक अलौकिक अनुभव प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से न केवल ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी प्रगाढ़ हुई है, बल्कि मध्यप्रदेश के पर्यटन, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली है। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल प्रबंधन के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और सभी सहभागी देशों के प्रतिनिधियों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। भोपाल घोषणा पत्र% से व्यावहारिक और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त–केंद्रीय मंत्री शेखावत केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत संस्कृति कार्य समूह की बैठकों का एक सुव्यवस्थित क्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक 29ङ्क30 अप्रैल 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई, दूसरी बैठक 4ङ्क5 जून 2026 को वाराणसी में और तीसरी बैठक 5ङ्क6 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित की गई। इन बैठकों के गहन विचार-विमर्श का समापन 8 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक के साथ हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से %भोपाल घोषणा पत्र% को पारित किया गया।

छात्राओं ने दिखाई दबंगई!

मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश को दौड़ाकर पकड़ा

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

फूलबाग इलाके में एक मोबाइल स्नैचर को दो छात्राओं की हिम्मत भारी पड़ गई। छात्राओं से मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश ने शायद सोचा भी नहीं होगा कि उसका पीछा करते हुए छात्राएं उसे पकड़ लेंगी। इसके बाद छात्राओं ने साहस दिखाकर कर गजब की धुनाई कर दी। जानकारी के मुताबिक, दो छात्राएं फूलबाग इलाके से गुजर रही थीं। इसी दौरान एक बदमाश ने एक छात्रा का मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से भागने लगा। अचानक हुई इस घटना से छात्राएं घबराई जरूर, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। दोनों छात्राओं ने बदमाश का पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ दूरी पर उन्होंने उसे पकड़ लिया। इसके बाद छात्राओं ने बदमाश को मौके पर ही रोक लिया और उसकी पिटाई कर दी। छात्राओं के इस तेवर को देखकर बदमाश भी हैरान रह गया।इसके बाद छात्राओं ने पुलिस को सूचना दी और आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं के साहस की सराहना की। छात्राओं की बहादुरी की जानकारी ग्वालियर पुलिस अधीक्षक धर्मवीर

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित किया जाता है कि में आजाद पुरूस्वानी पुत्र श्री **सुमन लाल पुरूस्वानी** यह निवासी- शीतला माता के मंदिर के पास 11/सम्भाजी कॉलोनी आँग्रे का बाजार लाल का बाजार ग्वालियर (म.प्र.) यह कि प्रार्थी का पूर्व में नाम **आजाद कुमार पुरूस्वानी AZAD KUMAR PURSWANI** अंकित है जबकि अब मैने अपना नाम **आजाद कुमार पुरुस्वानी AZAD KUMAR PURSWANI** के स्थान पर **आजाद पुरुस्वानी AZAD PURSWANI** रख लिया है। अतः अब मुझे भविष्य में **आजाद पुरुस्वानी AZAD PURSWANI** के नाम से ही जाना एवं पहचाना जायें।

नाम आजाद पुरुस्वानी
पुत्र श्री सुमन लाल पुरुस्वानी
निवासी- शीतला माता के मंदिर पास
11/सम्भाजी कॉलोनी आँग्रे का बाजार
लाल का बाजार ग्वालियर, (म.प्र.)

खास खबर जैन मिलन महिला महानगर के सावन फुहार के हरियाली तीज का हुआ आयोजित

महिलाओं ने किया रैंप वॉक, सावन के गीतों पर किया डांस

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

हरियाली तीज उत्सव में हरे रंग के परिधान धीम साड़ियों से श्रृंगारित महिलाओं ने न केवल सावन के गीत गाए बल्कि नए पुराने नगमों गीतों को गुनगुनाते हुए डांस के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। यह नजारा शनिवार को नई सड़क स्थित तेरहपंथी धर्मशाला में जैन मिलन महिला महानगर ग्वालियर के सावन फुहार के हरियाली तीज महोत्सव में देखने को मिला। वही महिलाओं ने सेवाकार्य के तहत स्कूल के एक छात्राओं को स्कूल की सालभर की फीस दी। महिलाओं ने म्यूजिक की धुन पर रैंप वॉक किया। महिलाओं एकसूत्र में रहने के साथ हरियाली तीज उत्सव मनाया। वही सावन की क्वीन रश्मिका पाटनी बनी। जैन

मेधावी विद्यार्थी का सम्मान,महिलाओं एकसूत्र में रहने के साथ हरियाली तीज

समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जैन मिलन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शीला टोंग्या थी। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनिता जैन, क्षेत्रीय संयोजिका संजू जैन, संस्थापक अध्यक्ष मंजू जैन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष संगीत कागदी ने की। अतिथियों का तिलक से स्वागत अध्यक्ष संगीत कागदी, सचिव प्रीति जैन और कोषाध्यक्ष नीलम जैन ने किया। संचालन संगीता पंड्या और आभार सचिव प्रीति जैन ने माना। झूले पर बैठकर महिलाएं ने सावन के गीता गये।

सावन के गीतों पर किया डांस, मेधावी विद्यार्थी का किया सम्मान

जैन सामान के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सावन की फुहार कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण परी जैन ने किया। वही स्वागत नृत्य...बन्ना रे बागां में झुला घाल्या..म्हारे हिवडे री,...छतरी न खोल बरसात मै भीग जाने दे....अब तो आज परदेशी सावन का महीना आया...जैसे सावन के गानों पर संयोजिका संगीत पांड्या, पायल जैन, स्वीटी कासलीवाल, प्रीति पाटनी, नीतू पंड्या, आराधना क्षेत्रपाल्या, दीक्षा कागदी, सुरभी कासलीवाल, शिल्पी जैन, निधि जैन, सिम्मी जैन, चांदनी जैन, जया गोधा, नीति टोंग्या ने सामूहिक किया। वही के क्वीन रश्मिका पाटनी, हेयर स्टॉल शिल्पा जैन ओर ज्वेलरी कमलेश जैन रही। वही 10 वीं 95 अंक आने वाले मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान भी किया गया।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 19,स्थान गजराज बिहार कॉलोनी, महाराजपुरा ग्वा0** मे स्थित है जो कि **सुजीत कुमार सिंह/ शिवमंगल सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000179612** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **750 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-29072601314788 दिनांक 29.07.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र डी.डी नगर, **क्षे.क्र08,** पर दिनांक 08.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** PT 81714 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
लक्ष्मी/रामप्रताप
पता-महाराजपुरा ग्वा0 (म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-08.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 19,स्थान अमलताश कॉलोनी, भिण्ड रोड ग्वा0** मे स्थित है जो कि **श्रीमती सरोज भदौरिया/जगराम सिंह भदौरिया** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000276113** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **2130 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र /मृत्युउपरान्त/उत्तराधिकार/ वसीयत** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र डी.डी नगर, **क्षे.क्र08,** पर दिनांक 08.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** PT 81704 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
योगेन्द्र सिंह,राघवेन्द्र सिंह भदौरिया,पुष्पेन्द्र सिंह भदौरिया/स्व. जगराम सिंह भदौरिया
पता-अमलताश कॉलोनी ग्वा0 (म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-08.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 20 वार्ड क्रं 47,स्थान नरसिंह अपार्टमेंट, बापू दण्डी की गोठ,माधौगंज ग्वा0** मे स्थित है जो कि **पूनम सोनी/दिलीप सोनी, दिलीप कुमार सोनी/मन मोहन सोनी** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1004352189** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1019 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-22012600118934 दिनांक 22.01.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र 20 सिंधी कॉलोनी बरार समाज, **क्षे.क्र20,** पर दिनांक 07.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 74/2010/65930/65984** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
कविता गुप्ता/अनिल कुमार गुप्ता
पता-बापू दण्डी की गोठ ग्वा0 (म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-08.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति क्षेत्र क्र 09 वार्ड क्रं 20,भवन क्रं 1588, स्थान डी/704, सागर पैराडाईज, जडेरूआकलां बिरला हाउस ग्वा0 मे स्थित है जो कि योगेन्द्र सिंह नरवरिया/कैलाश सिंह नरवरिया के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र 1000227407 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 1133 वर्गफुट है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-30072601323969 दिनांक 03.08.2026 द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र टप्पा तहसील मुरार, क्षे.क्र 09, पर दिनांक 07.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं 66/2010/76917/77015 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता
श्रीमती रितु खंडेलवाल/संजय खंडेलवाल
पता-डी/704, सागर पैराडाईज बिरला हाउस, जडेरूआकलां ग्वा0(म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-08.08.2026

7वें वेतनमान के मामले में जीवाजी विश्वविद्यालय प्रशासन की बढ़ी मुश्किलें

अवमानना याचिका पर चार सप्ताह का समय

स्थायी कर्मचारियों को लाभ देने के पूर्व आदेश के पालन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर दायर हुई अवमानना याचिका, रिव्यू पिटीशन पहले ही हो चुकी खारिज

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

जीवाजी विश्वविद्यालय के स्थायी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर जीवाजी विश्वविद्यालय स्थायी कर्मी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष यतेंद्र शर्मा की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने विश्वविद्यालय को चार सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले को चार सप्ताह बाद फिर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादियों की ओर से पेश अधिवक्ता ने कोर्ट से अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय मांगा। न्यायमूर्ति अमित सेठ ने समय देने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। अब अगली सुनवाई में विश्वविद्यालय

प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि स्थायी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने के संबंध में हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के पालन में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। दरअसल, स्थायी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने के मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी अनुपालन की स्थिति सामने नहीं आने पर कर्मचारी संघ ने अवमानना याचिका दायर की थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन भी दायर की थी, लेकिन न्यायमूर्ति आशीष श्रोती ने इसे खारिज कर दिया था। रिव्यू पिटीशन खारिज होने के बाद भी आदेश के पालन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर कर्मचारी संघ ने अवमानना का रास्ता अपनाया।

अनुपालन रिपोर्ट पेश करनी होगी

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष यतेंद्र शर्मा का कहना है कि सातवां वेतनमान कर्मचारियों के लिए केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि उनका वैधानिक अधिकार और लंबे समय से लंबित हक है। हाईकोर्ट के ताजा निर्देश के बाद अब विश्वविद्यालय प्रशासन को चार सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश करनी होगी। कर्मचारियों को उम्मीद है कि अगली सुनवाई से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन उनके हित में प्रभावी कार्रवाई करेगा और सातवें वेतनमान का लाभ देने की दिशा में ठोस निर्णय लिया जाएगा।

खेलकूद में होने वाली चोटों से ऐसे बचें: ग डॉ. आशीष दुबे

बोन एंड जॉइंट वीक के तहत एलएनआईपीई में स्पोर्ट्स इंज्यूरी पर सेमिनार

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

स्पोर्ट्स इंज्यूरी ऐसी शारीरिक चोटें हैं, जो मुख्य रूप से खेल खेलने, कसरत (व्यायाम करने) या किसी भी भारी शारीरिक गतिविधि के दौरान मांसपेशियों, हड्डियों, जोड़ों, लिगामेंट्स या टेंडन में लगती हैं। स्पोर्ट्स इंज्यूरी (खेल की चोटों) से बचने के लिए वार्म-अप-कूल-डाउन करना और दर्द होने पर तुरंत आराम करना सबसे महत्वपूर्ण उपाय हैं। यह जानकारी ग्वालियर आर्थोपेडिक सोसायटी के सचिव व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष दुबे ने दी। वे ग्वालियर आर्थोपेडिक सोसायटी की ओर से बोन एंड जॉइंट वीक के अंतर्गत एलएनआईपीई में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इसमें उन्होंने खेलकूद में होने वाली चोटों के उपचार व रोकथाम के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी। वहीं संस्थान डीन एकेडमिक विंग प्रोफेसर डॉ. जोसफ सिंह, फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष डॉ. आर कृष्णा, हेल्थ सेंटर इंचार्ज डॉ. नरेंद्र सिंह, हेल्थ सेंटर मेडिकल ऑफिसर डॉ. हेमलता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शटर तोड़ने तेज बारिश का करते थे इंतजार, 5.3 किलो चांदी बरामद

अंतरराज्यीय चोर गैंग का पर्दाफाश, 4 पकड़ाए

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

ग्वालियर पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो चोरी की वारदात के लिए तेज बारिश का इंतजार करता था। गिरोह के सदस्य बारिश के शोर का फायदा उठाकर शटर और ताले तोड़ते थे, ताकि आसपास के लोगों को आवाज सुनाई न दे।पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की गई करीब 5 किलो 300 ग्राम चांदी के आभूषण और मूर्तियां बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने 19-20 जुलाई की दरमियानी रात करीब 2 बजे ग्वालियर थाना क्षेत्र में रविंद्र शर्मा की ज्वेलरी दुकान में चोरी की थी। वारदात से पहले आरोपियों ने कई दिनों तक दुकान और आसपास के इलाके की रेकी की थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने दूसरे राज्यों में भी चोरी की वारदात करना कबूल किया है। गिरोह के दो मुख्य आरोपी सगे भाई हैं और उनके खिलाफ पहले से 25 से ज्यादा चोरी के मामले दर्ज हैं।

19-20 जुलाई की रात ज्वेलरी शॉप में चोरी

पुलिस के मुताबिक, 19-20 जुलाई की दरमियानी रात करीब 2 बजे आरोपियों ने ग्वालियर थाना क्षेत्र स्थित रविंद्र शर्मा की ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाया।नकाबपोश चोरों ने दुकान के शटर का एक हिस्सा उठाया और अंदर दाखिल हो गए। एक आरोपी दुकान के अंदर चोरी कर रहा था, जबकि उसका साथी बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। गिरोह ने वारदात से पहले इलाके में कई दिनों तक रेकी की थी। आरोपियों ने दुकान के शटर और ताले की मजबूती परखी और सबसे कमजोर हिस्से की पहचान की। पूछताछ में पता चला कि वारदात से पहले आरोपियों ने शहर के बैजाताल इलाके से एक एक्टिवा चोरी की थी।इसी एक्टिवा से वे ज्वेलरी दुकान में चोरी करने पहुंचे थे। आरोपियों ने वारदात के लिए तेज बारिश का समय चुना, ताकि शटर खींचने और तोड़ने की आवाज बारिश के शोर में दब जाए।

सगे भाई मुख्य आरोपी, 25 से ज्यादा केस

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान योगेश मंडेलिया, राजेश मंडेलिया, अतुल शर्मा और श्याम सुंदर कुशवाह के रूप में हुई है। इनमें योगेश मंडेलिया और राजेश मंडेलिया सगे भाई बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ पहले से 25 से ज्यादा चोरी के मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उन्होंने दूसरे राज्यों में भी चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है।

5.300 किलो चांदी के आभूषण बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई करीब 5 किलो 300 ग्राम चांदी बरामद की है। इसमें 38 चांदी की मूर्तियां, 6 मुकुट, 5 बांसुरी, 16 चांदी की गाय, 11 मछलियां, 34 जोड़ी पायल, 150 जोड़ी बिछिया, 3 कड़े, 11 चूड़ियां, 73 छल्ले और 10 बालियां शामिल हैं। इसके अलावा चांदी की पायल के कुंदे और अन्य आभूषण भी बरामद किए गए हैं।

रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी पुलिस

एडिशनल एसपी सुजावल जग्गा ने बताया कि ग्वालियर पुलिस चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ में ग्वालियर और दूसरे राज्यों में हुई चोरी की अन्य बड़ी वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ग्वालियर निरी. प्रशांत शर्मा, उनि. अजय सिंह सिकरवार, सउनि अनूप सिंह भदौरिया, आर. गिर्राज शर्मा, बृजकिशोर भदौरिया, नागर गुर्जर, अशोक गुर्जर, प्रशांत यादव, भूषण, बृजेश शाक्य, अनिल, साइबर सेल से उनि. रजनी रघुवंशी, आर.शैलेन्द्र सिंह गौड, अजय यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

स्मार्ट परियोजनाओ के बेहतर क्रियांवयन के साथ राजस्व वृद्धि बढाने पर जोर

सांसद कुशवाह की अध्यक्षता में हुई स्मार्ट सिटी एडवायजरी फोरम की बैठक

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

स्मार्ट सिटी की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओ का बेहतर क्रियांवयन के साथ राजस्व मे वृद्धि कैसे की जावे इसकी लिये जरुरी कार्य योजना बनाकर उसपर कार्य किया जाये। यह बात शनिवार को आयोजित हुई स्मार्ट सिटी की एडवाइजरी फोरम की बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कही। उन्होंने स्मार्ट सिटी के तहत ग्वालियर शहर में जुड़ रहे आयामों के रख-रखाव और संधारण की पुख्ता व्यवस्था करने पर भी विशेष बल दिया। साथ ही कहा कि विकास कार्यों के संधारण की व्यवस्था ऐसी हो जिससे शहरवासियों को विकास कार्यों का लाभ लंबे समय तक मिल सके। नगर निगम के बाल भवन में आयोजित इस बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सीईओ संघ प्रिय, अपर आयुक्त टी प्रतीक राव सहित एडवायजरी फोरम के सदस्य गण व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक मे सर्वप्रथम पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक मे सचिन तेंदुलकर मार्ग उन्नयनीकरण, मल्टीलेवल कार पार्किंग एवं कन्वेंशन सेंटर की प्रगति की समीक्षा के साथ ही पूर्ण हो चुकी स्मार्ट सिटी की परियोजनाओ से प्राप्त होने वाले राजस्व, स्मार्ट सिटी की वित्तीय सहायता से नगर निगम द्वारा कराये जा रहे कार्यो पर विस्तार से विचार मंथन हुआ। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने बैठक में कहा की स्मार्ट सिटी की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओ का आंकलन कर राजस्व वृद्धि के लिये जरुरी कार्ययोजना बनाने पर कार्य किया जाये ताकि भविष्य मे परियोजनाओ का संचालन और मॉनीटरिंग को और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होने स्मार्ट सिटी की वित्तीय सहायता से नगर निगम द्वारा कराये जा रहे मोतीमहल स्थित नगर निगम के संग्रहालय जीणोद्धार कार्य के बजट का निर्धारण किसी तीसरी पार्टी से आंकलन कराये जाने को लेकर भी दिशा निर्देश

निर्माण प्रगति की समीक्षा

बैठक मे निर्माण की जा रही सचिन तेन्दूलकर रोड की निर्माण प्रगति की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त संघ प्रिय ने इस रोड की प्रगति रिपोर्ट सहित इसके सौन्दीयकरण योजना के बारे मे सदस्यो को विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि इस रोड का निर्माण कार्य तेज गति से किया जा रहा है और जल्द ही इस रोड का कार्य पूर्ण करने के बाद महान क्रिकेट खिलाडी सचिन तेन्दूलकर की थीम पर इस रोड का सौन्दीयकरण का कार्य किया जायेगा। जिसकी सलाहकार समिती के सदस्यो द्वारा सराहना की गई।

इन्होने दिए सुझाव

बैठक में सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा, हरिमोहन पुरोहित, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, राजन सेठ सहित अन्य सदस्यो द्वारा कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की 82 लीटर हाथभट्टी शराब और 3,200 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद, लहान नष्ट कराया

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, संग्रहण और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 82 लीटर हाथभट्टी मदिरा, 25 पाव देशी मदिरा प्लेन तथा 3,200 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया। बरामद हाथभट्टी मदिरा एवं नष्ट किए गए गुड़ लहान का अनुमानित मूल्य लगभग 3 लाख 38 हजार 150 रुपए है। कार्रवाई के दौरान कुल 7 प्रकरण दर्ज किए गए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार आबकारी विभाग की टीम द्वारायह कार्रवाई की गई।मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त क्रमांक-4 के मोहनपुर स्थित कंजर डेरा, वृत्त आंतरिक स्थित कंजर डेरा तथा वृत्त डबरा क्षेत्र में दबिश दी। मोहनपुर कंजर डेरे से 69 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं प्लास्टिक के ड्रमों में 3,200 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। मौके पर गुड़ लहान का नमूना लेकर शेष लहान को फैलाकर नष्ट कराया गया। आरोपी की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। इस मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2) सहपठित धारा 49(क) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। इसी क्रम में शीला कंजर के आधिपत्य से 10 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद होने पर धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। वृत्त आंतरिक क्षेत्र के कंजर डेरे से 10 लीटर तथा एक अन्य मकान से 3 लीटर हाथभट्टी मदिरा बरामद होने पर धारा 34(1)(क) के तहत दो न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए।वृत्त डबरा क्षेत्र में 15 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद होने पर धारा 34(1)(क) के तहत एक प्रकरण तथा धारा 36(ए) के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए।

सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में कंट्रोल रूम प्रभारी राजेश कुमार तिवारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी संतोष कुमार यादव के निर्देशन में आबकारी उप निरीक्षक हरेन्द्र सिंह मावई, रवि सिसोदिया, रोशनी पाटीदार तथा मुख्य आरक्षक अशोक शर्मा, प्रकाश सखावर, रवि कुमार बघेल, ब्रजेश नागर सहित आबकारी बल के अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हरियाली से किया ईको हेरिटेज हिल का श्रृंगार

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

ईको हेरिटेज हिल, ताल वाले हनुमान मंदिर के पास आज शनिवार को नगर निगम ग्वालियर द्वारा वृहदस्तर पर जन सहयोग से पौधरोपण कर ईको हेरिटेज हिल का हरियाली से श्रृंगार किया। इस अभियान में नगर निगम के साथ बड़ी संख्या में आमजनों ने भी सहयोग किया। सुबह बड़ी संख्या में नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी, एवं आमजन ताल वाले हनुमान मंदिर पहुंचे वहां पर सभी ने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत 2500 पौधों का रोपण किया। नगर निगम अब रमौआ बांध पर बन रहे ई बस स्टैण्ड एवं प्रस्तावित डब्ल्यूटीपी के पीछे स्थित फॉरेस्ट की जमीन पर 7000 पौधों का रोपण करेगा। उपायुक्त श्री मुकेश बंसल ने बताया कि निगम

ताल वाले हनुमान मंदिर पर रोपे 2500 पौधे, रमौआ क्षेत्र में करेंगे 7000 पौधों का रोपण

आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर निगम द्वारा पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार को कलेक्ट्रेट पहाड़ी के पीछे स्थित ईको हेरिटेज हिल, तालवाले हनुमान मंदिर पर आज सुबह 8 बजे पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मंदिर परिसर क्षेत्र में पूर्व से पौधरोपण के लिए नगर निगम द्वारा गड्ढे कराए गए थे। शनिवार को अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, पार्क अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, सहायक खेल अधिकारी सुश्री विजेता सिंह , स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर पवन दीक्षित एवं प्रमोद धनेले सहित मदाखलत एवं पार्क विभाग सहित आईईसी टीम के सदस्य , आमजन

रमौआ बांध पर रोपे जाएंगे 7000 पौधे

पार्क के नोडल अधिकारी मुकेश बंसल ने बताया कि रमौआ बांध के पीछे फॉरेस्ट की जमीन है, जहां पर नगर निगम द्वारा 7000 पौधों का जल्द ही रोपण किया जाएगा। फॉरेस्ट क्षेत्र में होने के कारण यहां पर पौधों की रक्षा हो सकेगी। इस पौधरोपण अभियान में शासकीय विभागों एवं आमजनों का सहयोग लिया जाएगा। बड़ी संख्या में ताल वाले हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां पर सभी ने छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया। इन पौधों की देखभाल का जिम्मा मंदिर परिसर एवं नगर निगम के पार्क विभाग ने लिया है। जिससे पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप ले सकें।

बनी ठनी एग्जीबिशन कम सेल 9 से

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

जेसीआइ ग्वालियर प्रियदर्शनी की ओर से तीन दिवसीय बनी ठनी एग्जीबिशन कम सेल-2026 का शुभारंभ ऊषा किरण पैलेस में नौ अगस्त से किया जाएगा। 11 अगस्त तक चलने वाली प्रदर्शनी में देशभर के प्रमुख शहरों एवं विभिन्न राज्यों से चयनित प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इनमें कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, वाराणसी, सूरत, पंजाब, गुजरात, दिल्ली, मुंबई, इंदौर, आगरा, भोपाल सहित अन्य शहरों के प्रदर्शक शामिल हैं। प्रदर्शनी में प्रमुख आकर्षण रहेंगे, जो शहरवासियों को आकर्षित करेंगे। एक ही छत के नीचे ग्वालियराइट्स को डिजाइनर साड़ी, लहंगा, सूट, गाउन, को-आर्ड सेट, वेस्टर्न वियर, प्रिंटेड फैब्रिक्स, ज्वैलरी, कास्मेटिक, कोरियर ब्यूटी प्रोडक्ट, बैग्स, किड्स कलेक्शन, किड्स नाइट सूट्स, होम डेकोर, गिफ्ट आयटम्स, होममेड चाकलेट, गागल्स, इंटीरियर डेकोर प्रोडक्ट्स शामिल होंगे। इसके साथ ही पंजाब की जूतियां, सैंडिल, ब्रांडेड शूज, पोटली बैग्स, जयपुर की खूबसूरत चादरें, लड्डू गोपाल की पोशाकें, कोलकाता की विशेष राखियां खास रहेंगी। प्रदर्शनी में फूड स्टाल भी लगाया जाएगा, जहां स्वादिष्ट एवं आकर्षक केक्स एवं बेकरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध रहेंगे।

खास खबर

एवं सुविधाएं देने पर संगठन ने सीएम का जताया आभार

पश्चिम बंगाल के आपातकाल योद्धाओं को सम्मान राशि

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आपातकाल-1975 के दौरान लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेलों और पुलिस थानों में निरुद्ध रहे लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में West Bengal Fighters of Democracy Honour Scheme, 2026 लागू किए जाने पर लोकतंत्र सेनानी संघ ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष,पूर्व सांसद कैलाश सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा तथा राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने संयुक्त रूप से कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार का यह निर्णय आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के त्याग और बलिदान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत पात्र लोकतंत्र सेनानियों को 10,000 प्रतिमाह सम्मान राशि तथा ?1,000 प्रतिमाह चिकित्सा सहायता, अर्थात कुल 11,000 प्रतिमाह प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार, जांच एवं दवाइयां तथा राज्य सरकार

के स्वामित्व वाले सार्वजनिक परिवहन में निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी दी गई है। संघ के नेताओं ने बताया कि योजना में दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के पति/पत्नी को भी निर्धारित सम्मान राशि, चिकित्सा सुविधा एवं परिवहन सुविधा देने का प्रावधान किया गया है। स्वीकृत लाभार्थियों को सरकार द्वारा पहचान-पत्र भी जारी किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार का यह निर्णय देशभर के लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हम मुख्यमंत्री श्री शुभेंदु अधिकारी एवं राज्य सरकार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा की गई यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायी है तथा इससे आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के प्रति समाज और सरकार की कृतज्ञता प्रकट होती है। राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी संघ लंबे समय से आपातकाल-1975 के लोकतंत्र सेनानियों को उचित सम्मान और सुविधाएं दिलाने के लिए प्रयासरत है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जारी यह योजना हमारे साथियों के संघर्ष और त्याग की सरकारी मान्यता है। इसके लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का विशेष आभार।

आपातकाल योद्धाओं के सम्मान का कार्यक्रम आज

उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचना के अनुसार पश्चिम बंगाल के पात्र आवेदक आपातकाल योद्धाओं के बैंक खातों में 7 अगस्त 2026 को 11,000 की राशि पहुंचनी शुरू हुई है। साथ ही 9 अगस्त को नवान्न, कोलकाता में राज्य सरकार की ओरसे आपातकाल योद्धाओं के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पश्चिम बंगाल आपातकाल योद्धाओं को सम्मान देने वाला 12वां राज्य बन गया है।लोकतंत्र सेनानी संघ ने पश्चिम बंगाल सरकार से अपेक्षा की है कि योजना का लाभ सभी पात्र आपातकाल योद्धाओं तक शीघ्र एवं सरल प्रक्रिया से पहुंचाया जायेगा।

आज का विचार

संसार में कोई भी पुस्तक नैतिक या अनैतिक नहीं होती, पुस्तकें या तो अच्छी लिखी होती हैं या बुरी।

■ ऑस्कर वाइल्ड

एक अच्छी पुस्तक एक हजार दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त एक पूरी लाइब्रेरी के बराबर होता है।

■ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

सम्पादकीय

संवाद की संस्कृति कब लौटेगी?

संवाद की संस्कृति तब लौटेगी जब समाज में एक-दूसरे को धैर्य से सुनने, असहमतियों का सम्मान करने और पूर्वाग्रहों को छोड़ने का सामूहिक प्रयास शुरू होगा। यह कोई अचानक होने वाला बदलाव नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर निरंतर अभ्यास से संभव है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो संवाद से समाधान का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति

आज का चिंतन

माया से मुक्त होने का साधन

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती

माय ओपीनियन

■ - राजेश कुमरावत 'सार्थक'

वीडियो कॉल पर अंतिम विदाई और आभासी दुनिया का भ्रम

"इसी समय पंजाब की एक दूसरी घटना ने डिजिटल दुनिया के भ्रम को भी उजागर कर दिया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी (कमल कौर) के लाखों फॉलोअर्स थे। उनकी हर पोस्ट पर हजारों 'लाइक' और 'कमेंट' आते थे। लेकिन जब उनकी दुखद मृत्यु के बाद अंतिम यात्रा निकली, तब उन लाखों डिजिटल प्रशंसकों में से कोई भी कंधा देने नहीं पहुँचा। अंतिम विदाई में केवल तीन निकट संबंधी उपस्थित थे। यह दृश्य बताता है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता और वास्तविक जीवन के आत्मीय संबंध दो बिल्कुल अलग संसार हैं।

सभ्यताएँ केवल ऊँचीं-ऊँचीं इमारतों, तेज़ इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्थिक प्रगति से महान नहीं बनतीं। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि वह अपने माता-पिता, बुजुर्गों, गुरुजनों और परिवार जैसी मूल संस्थाओं के प्रति कितना संवेदनशील है। भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्षों से मनुष्य को यही शिक्षा दी है- 'मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः, आचार्यदेवो भवः।' अर्थात माता, पिता और गुरु केवल रिश्ते नहीं, बल्कि जीवन के प्रथम देवता हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज ने श्रवण कुमार और भगवान श्रीराम जैसे आदर्शों को केवल कथाओं में नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों के रूप में स्थापित किया।

आज भारत डिजिटल युग के स्वर्णिम दौर से गुजर रहा है। मोबाइल ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। विज्ञान और तकनीक का स्वागत होना चाहिए, किंतु चिंता तब उत्पन्न होती है जब तकनीक सुविधा का माध्यम न रहकर संवेदनाओं का विकल्प बनने लगे। जब रिश्तों का मूल्य ऑनलाइन ट्रांसफर से आँका जाने लगे और मोबाइल स्क्रीन किसी प्रियजन के स्पर्श की जगह लेने लगे, तब समाज को आत्ममंथन करना ही पड़ता है।

पिछले दिनों सामने आईं दो घटनाएँ इसी आत्ममंथन के लिए विवश करती हैं। पहली घटना हरियाणा के सोनीपत स्थित 'अपना घर' वृद्धाश्रम की है। मुंबई के कभी प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी रहे 74 वर्षीय शिवचरण रामरतन गुप्ता जीवन के अंतिम वर्षों में वृद्धाश्रम में रह रहे थे। व्यापार में भारी नुकसान के बाद वे अपनी पत्नी के साथ आश्रम पहुँचे थे। पत्नी के निधन के बाद वे पूरी तरह अकेले पड़ गए। उनकी तीनों बेटियों को उनकी गंभीर बीमारी की सूचना लगभग बीस दिन पहले दे दी गई थी, लेकिन कोई भी उनसे मिलने नहीं पहुँची।

शिवचरण जी के निधन के बाद जो हुआ, उसने पूरे समाज को झकझोर दिया। बेटियों ने अंतिम संस्कार के लिए 5,100 ऑनलाइन भेज दिए और अनुरोध किया कि पूरी प्रक्रिया उन्हें वीडियो कॉल पर दिखा दी जाए। इतना ही नहीं, बाद में उन्होंने अस्थियों को लेने आने में भी असमर्थता जताई और आश्रम से ही गंगा विसर्जन कराने का आग्रह किया। वृद्धाश्रम के संचालकों और स्थानीय नागरिकों ने पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया। यह दृश्य केवल एक पिता की पीड़ा नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक मूल्यों का कठोर दस्तावेज़ बन गया।

इसी समय पंजाब की एक दूसरी घटना ने डिजिटल दुनिया के भ्रम को भी उजागर कर दिया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी (कमल कौर) के लाखों फॉलोअर्स थे। उनकी हर पोस्ट पर हजारों 'लाइक' और 'कमेंट' आते थे। लेकिन जब उनकी दुखद मृत्यु के बाद अंतिम यात्रा निकली, तब उन लाखों डिजिटल प्रशंसकों में से कोई भी कंधा देने नहीं पहुँचा। अंतिम विदाई में केवल तीन निकट संबंधी उपस्थित थे। यह दृश्य बताता है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता और वास्तविक जीवन के आत्मीय संबंध दो बिल्कुल अलग संसार हैं।

इन दोनों घटनाओं का संदेश एक ही है। आज हम डिजिटल रूप से पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से अपने ही परिवार से दूर होते जा रहे हैं। 'फॉलोअर्स' की संख्या सामाजिक प्रतिष्ठा का पैमाना बनती जा रही है, जबकि संकट की घड़ी में वही व्यक्ति साथ खड़ा होता है जिसके साथ विश्वास, अपनापन और वर्षों का संबंध हो। मोबाइल की स्क्रीन संवेदना का चित्र दिखा सकती है, पर किसी के आँसू नहीं पोंछ सकती। ऑनलाइन भुगतान जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बन सकता और वीडियो कॉल किसी पिता के अंतिम स्पर्श की भरपाई नहीं कर सकती।

ऐसे समय में भारतीय परिवार व्यवस्था की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में 'पंच परिवर्तन' के अंतर्गत 'कुटुम्ब प्रबोधन' को प्रमुख सामाजिक अभियान बनाया है। इसका उद्देश्य परिवारों में संवाद, संस्कार, सामूहिकता और उत्तरदायित्व की भावना को पुनर्जीवित करना है। यह अभियान किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दृष्टि का विस्तार प्रतीत होता है, जो मानती है कि परिवार केवल साथ रहने वालों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला है।

'कुटुम्ब प्रबोधन' हमें याद दिलाता है कि सप्ताह में कुछ समय परिवार के साथ बैठना, एक साथ भोजन करना, घर के बुजुर्गों के अनुभव सुनना और बच्चों को परिवार के प्रति उत्तरदायित्व सिखाना केवल पारिवारिक परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है। यदि परिवार मजबूत रहेगा, तो समाज भी मजबूत रहेगा और समाज मजबूत होगा, तो राष्ट्र भी सुदृढ़ बनेगा। सोनीपत की घटना का एक सकारात्मक पक्ष भी है। जहाँ रक्त संबंध अपने दायित्व से पीछे हट गए, वहीं वृद्धाश्रम के संचालकों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने आगे बढ़कर पूरे सम्मान के साथ शिवचरण जी का अंतिम संस्कार किया। यह भारतीय समाज की उस जीवंत परंपरा का प्रमाण है जो आज भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को केवल श्लोक नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार मानती है।

फोकस

■ - अशोक भाटिया

ट्रंप का तमाचा, मुनीर-शहबाज चित

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बेहद संवेदनशील शांति वार्ता की मेज से पाकिस्तान को एक झटके में दूध में से मक्खी की तरह निकालकर बाहर फेंक दिया है। 'वार्ता ऑन, पाकिस्तान आउट' का यह सीधा, दोटूक और अपमानजनक संदेश न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की जोड़ी के मुंह पर एक करारा अंतरराष्ट्रीय तमाचा है, बल्कि यह पाकिस्तान की उस परजीवी विदेश नीति की भी खुली अंत्येष्टि है जो हमेशा दूसरों के विवादों में बिचौलिया और दलाल बनकर अपनी तिजोरी भरने की आदी रही है। कूटनीतिक हलकों में खुद को पीस मेकर' यानी शांतिदूत के रूप में स्थापित करने का जो खोखला और हास्यास्पद स्वांग इस्लामाबाद रच रहा था, डोनाल्ड ट्रंप के एक एकल बयान ने उस समूचे ढोंग की धज्जियां उड़ा दी हैं। शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर की यह जोड़ी वैश्विक मंच पर खुद को एक महान रणनीतिक खिलाड़ी साबित करने के चक्कर में किस कदर औंधे मुंह गिरी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानी मीडिया और वहां के बिकाऊ रणनीतिकार तो इस कथित मध्यस्थता के लिए मुनीर और शहबाज को नोबेल शांति पुरस्कार तक दिलाने के ख्याली पुलाव पका रहे थे। लेकिन ट्रंप ने कूटनीति के क्रूर यथार्थ से पाकिस्तान का सामना करवाते हुए उसे उसकी असली औकात और हैसियत याद दिला दी है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों का एक बेहद सीधा और अपरिवर्तनीय कूटनीतिक नियम है कि साख हमेशा अपनी आंतरिक ताकत, आर्थिक संप्रभुता और राष्ट्रीय चरित्र से कमाई जाती है; इसे दुनिया के सामने कटोरा लेकर भीख मांगकर या बयानों की बैसाखियों के सहारे कभी हासिल नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की आज की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह एक ऐसी बदहाल, खोखली और दिवालिया अर्थव्यवस्था बन चुका है जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के टुकड़ों, चीनी कर्जों और सऊदी अरब की खैरात के सहारे वेंटिलेटर पर अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। जब आपके देश के भीतर आटा, बिजली और पेट्रोल के लिए दंगे हो रहे हों, जब आपकी अवाम दाने-दाने को मोहताज हो, और जब आपकी पूरी हुकूमत केवल विदेशी कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए नए कर्जे तलाशने के उद्देश्य से दुनिया भर के चक्कर काट रही हो, तब आप वैश्विक मंच पर दो परमाणु शक्तियों और महाशक्तियों के बीच सुलह कराने का हास्यास्पद नाटक कैसे कर सकते हैं? शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर की जोड़ी दरअसल पाकिस्तान की आंतरिक बदहाली, बेकाबू महंगाई, राजनीतिक अस्थिरता और जनता के भयंकर आक्रोश से ध्यान भटकाने के लिए इस कथित वैश्विक मध्यस्थता का एक फर्जी गुब्बारा फुला रही थी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गुब्बारे में सुई चुभोकर इसके चिथड़े-चिथड़े कर दिए हैं, और पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान के कूटनीतिक दिवालियापन को पूरी तरह नंगा कर दिया है।

इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि पाकिस्तान के उस चिरपरिचित 'डबल गेम' और धोखेबाज़ी के डीएनए को उजागर करती है, जिससे पूरी दुनिया अब पूरी तरह वाकिफ और आजिज आ चुकी है। पिछले कुछ महीनों से जब अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर था, तब इस्लामाबाद से यह बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे कि पाकिस्तान दोनों पक्षों को एक मेज पर लाने की कूटनीतिक क्षमता रखता है। पाकिस्तानी जनरलों और हुक्मरानों को लग रहा था कि वे एक तरफ ईरान को अपनी सीमा और धार्मिक संबंधों की दुहाई देकर साध लेंगे, और दूसरी तरफ अमेरिका के सामने संकटमोचक और 'फ्रंटलाइन स्टेट' बनने का ढोंग रचकर वाशिंगटन से एक बहुत बड़ा वित्तीय और सैन्य पैकेज ऐंठ लेंगे। पाकिस्तान का इतिहास हमेशा से आतंकवाद और कूटनीति दोनों मोर्चों पर दोहरी चालें चलने का रहा है। एक तरफ वह अमेरिका से डॉलर लेता था, तो दूसरी तरफ ओसामा बिन लादेन जैसे खूंखार आतंकियों को अपनी सैन्य छावनियों के बगल में पनाह देता था। कूटनीति की मेज पर भी वह यही घिनौना खेल खेल रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष रणनीतिकारों और सेवानिवृत्त जनरल जैक कीन जैसे दिग्गजों ने बहुत पहले ही वाशिंगटन को आगाह कर दिया था कि पाकिस्तान मध्यस्थता के नाम पर एक निष्पक्ष दूत की भूमिका निभाने के बजाय अंदरूनी तौर पर ईरान के हितों की वकालत कर रहा है और अमेरिकी खुफिया जानकारियों को लीक करने का जोखिम पैदा कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इस धोखेबाज़ी को समय रहते भांप लिया और पाकिस्तान की पीठ में छुरा घोंपने की इस पुरानी आदत को कड़ा जवाब देते हुए उसे वार्ता के कमरे से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से जारी अपने बयान में बेहद क्रूर और साफ शब्दों में कहा कि ईरान के अनुरोध पर दोनों देशों के बीच बातचीत का सिलसिला दोबारा पूरी तत्परता के साथ शुरू हो चुका है, लेकिन इस बेहद महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाने में उन्होंने केवल खाड़ी के जिम्मेदार और आर्थिक रूप से सुदृढ़ देशों–सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर की भूमिका को सराहा और उन्हें ही इस वार्ता का वास्तविक आधार स्तंभ माना।

शिव तांडव का काव्य-शास्त्रः पंचचामर,चामर एवं चंचला छंद

मनोज 'मधुर'
साहित्यकार एवं समीक्षक

?शिव तांडव स्तोत्र भगवान शिव की आराधना में रचा गया एक ओजस्वी स्तोत्र है। इसकी रचना परम शिव-भक्त और लंकापति रावण द्वारा मानी जाती है। इसमें शिवजी के स्वरूप, उनके तांडव नृत्य, सौंदर्य, और संहारक क्षमता का वर्णन अत्यंत सुंदर और लयबद्ध संस्कृत वर्णों में किया गया है।

इसके निरंतर पाठ और श्रवण से मन की चंचलता दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि-दोष, राहु-केतु की प्रतिकूलता या आत्मबल में कमी होने पर शिव तांडव स्तोत्र का पाठ विशेष रूप से फलदायी माना जाता है।

सोमवार को प्रातःकाल या संध्या समय शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करना विशेष फलदायी होता है।

?पंचचामर छंदः

1.रावण द्वारा लिखा गया 'शिव तांडव स्त्रोत' पंचचामर छंद में है।

2. चार पंक्तियों को मिलाकर एक छंद पूरा होता है दो-दो पंक्तियों के तुकांत समान रखना अनिवार्य होता है। हम चाहें, तो चारों पंक्तियों के तुकांत भी समान रख सकते हैं।

3. पंच चामर में लघु- गुरु (12) अक्षरों का क्रम एक पंक्ति में आठ बार लिया जाता हैः 1212, 1212, 1212, 1212 (कुल 16 अक्षर)

इसकी मापनी यूँ भी लिखी जा सकती हैः जगण. रगण जगण रगण. जगण दीर्घ

121. 212 121 212. 121 2

नोट- 1212 यहाँ वर्णों के 'लघु-गुरु' रूप का सूचक है, न कि मात्रिक गणना का।

4. आठ-आठ अक्षरों के बाद यति (ठहराव) अनिवार्य है।

5. इस छंद में उच्चारण के अनुसार मात्रा गिराने का कोई भी नियम नहीं होता है।

(नोटः कुछ कवियों ने मात्रा गिराकर जो शिव तांडव स्तोत्र लिखे हैं, वे उर्दू बहर पर आधारित हैं और हिंदी काव्य-शास्त्र के छंद-नियमों के अंतर्गत नहीं आते।)

? रावण द्वारा रचित शिव तांडव उदाहरण-

1212, 1212, 1212, 1212

जटा टवी गलज्जले प्रवाह पावितेस्थले

गलेवलम्ब्य लम्बितां भुजंगतुंग मालिकां।

डमड-डमड-डमड डमडनिनाद वडुमर्वयं

चकार चंडतांडवं तनोतु नः शिवः शिवम ॥

? पंचचामर छंद का स्वरचित उदाहरण-

1212, 1212, 1212, 1212

क्षमा करो, क्षमा करो, सदाशिवम् क्षमा करो।

दया करो, दया करो, त्रिनेत्रधर दया करो।।

नमामि हे उमापती, कृपा-समुद्र शंकरम।

हरन्तु मन-विकार को, नमामि देव ईश्वरम।।

? चामर छंदः

1. चार पंक्तियों को मिलाकर एक छंद पूरा होता है। दो-दो पंक्तियों के तुकांत समान रखना अनिवार्य होता है। हम चाहें, तो चारों पंक्तियों के तुकांत भी समान रख सकते हैं।

2. चंचला छंद के आख़िर में से एक लघु हटाने पर चामर छंद बनता है। इस छंद में 7 बार गुरु- लघु (21) अक्षरों का क्रम तथा एक बार गुरु (2) लिया जाता हैः

2121, 2121, 2121, 212 (15 अक्षर)

चामर छंद की मापनी यूँ भी लिखी जा सकती है- रगण जगण रगण जगण रगण

212, 121, 212, 121, 212

3. आठ-आठ अक्षरों के बाद यति (ठहराव) अनिवार्य है।

4. इस छंद में उच्चारण के अनुसार मात्रा गिराने का कोई भी नियम लागू नहीं होता ।

षट्पदी चामर छंद का स्वरचित उदाहरण-

2121, 2121, 2121, 212

हे महेश, हे गिरीश, हे शिवम्, कृपा करो।

ईष्टदेव, पूज्यदेव, हे प्रभू, दया करो।।

?हे नटेश, हे उमेश, गंगधर, रक्षा करो।

आशुतोष, नीलकंठ, चंद्रधर, क्षमा करो।।

? चंचला छंद/ब्रह्म रूपक छंद

1. यह चार पंक्तियों का छंद है। दो-दो पंक्तियों के तुकांत समान रखना अनिवार्य होता है। हम चाहें, तो चारों पंक्तियों के तुकांत भी समान रख सकते हैं।

2. चंचला छंद में गुरु- लघु (21) अक्षरों का क्रम एक पंक्ति में आठ बार लिया जाता हैः 2121, 2121, 2121, 2121 (कुल 16 अक्षर)

3. आठ-आठ अक्षरों के बाद यति (ठहराव) अनिवार्य है।

4. इस छंद में भी उच्चारण के अनुसार मात्रा गिराने का नियम लागू नहीं होता।

? मधुर शिव ताण्डव (चंचला छंद)

2121, 2121, 2121, 2121

(1) त्राहिमाम् आशुतोष, त्राहिमाम् हे महेश।

त्राहिमाम् हे गिरीश, त्राहिमाम् व्योमकेश।।

कोटि-कोटि है प्रणाम, कोटि-कोटि है प्रणाम।

ॐ नमः शिवाय जाप, ॐ नमः शिवाय धाम।।

(2) आदिदेव नीलकंठ, रुद्रदेव विश्वनाथ।

दीनबंधु भावसिन्धु, भक्त को करो सनाथ।।

दुष्ट-भाव, चित्त-दोष, क्षन्य-क्षन्य आशुतोष।

चंद्रधर कृपानिधान, शांत-शांत उग्र-रोष।।

(3) अंग-अंग, भस्म-लेप, नील-कंठ, व्याल-माल।

केश-केश, गंग-धार, काल-काल हे त्रिकाल।।

पाप-नाश, शोक-हार, मुक्ति-धाम मोक्ष-द्वार।

इष्ट-देव, पूज्य-देव, हे महेश सुन पुकार।।

(4) डम्म-डम्म वाद्य नाद, तांडवी तरंग-धार।

नट्ट-नट्ट नट्ट-राज, शूलपाणि सर्प हार।।

चंद्रभाल ज्योति-पुंज, शीश गंग-वेग धार।

भक्तपाल कालदंश, जय महेश बार-बार।।

?(5) दंश-दुःख नाशवान, काम-दाह, रुद्र-रूप।

सर्वलोक रक्षकंत, भक्ति-मुक्ति भूत-भूप॥

हे महीप! भक्ति-दान, लुप्त होय शक्ति भान । शंभुनाथ, सोमनाथ, कष्ट का करो निदान॥

?(6) नेत्र-तीन, अग्नि-ज्वाल, देह भस्म हो सहर्ष।

शीश-गंग, शांत-रूप, आत्म-बोध हर्ष-हर्ष।।

मोह-पाश, पाप-पुंज, शीघ्र-शीघ्र छिन्न-भिन्न।

सर्व-व्याप्त, व्योम-रूप, आदिदेव हैं अभिन्न।।

(7) ?भूत-प्रेत, देव-वृंद, सर्व-जंतु वंद्य-पाद।

कष्ट-हार, मोक्ष-द्वार, छिन्न होय सर्ववाद।।

नित्य-सिद्ध, नित्य-शुद्ध, नित्य-पूज्य हैं स्वयंभु।

हे कृपाल, हे विशाल, ॐ नमः शिवाय शंभु।।

विशेषः शिवजी के कई पर्यायवाची जैसे- आशुतोष, नीलकंठ, शंभुनाथ, सोमनाथ, विश्वनाथ, व्योमकेश आदि गुरु-लघु-गुरु-लघु (2121) के मात्रा क्रम में हैं इसलिए शिव-तांडव लिखने में चंचला छंद का प्रयोग किया गया है।

आप भी आमंत्रित | सम्पादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। आप अपने विचार इस पेज के जरिए अभिव्यक्त कर सकते हैं। अपने विचार-लेख, रचनाएं, पत्र हमें इस ईमेल पर भेजें- ajaybharatmorena@gmail.com

संपादकीय पेज पर प्रकाशित सामग्री पर संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

कांवड़ यात्राः आस्था के नए रंग

ओंकारेश्वर-महेश्वर से पैदल नर्मदा जल ले जा रहे उज्जैन

नाबालिग भी उठा रहे कांवड़

कांवड़ यात्रा में नाबालिग भी कांवड़ उठाए चल रहे हैं। वे अपने माता-पिता या अन्य रिश्तेदार के साथ यात्रा में शामिल हैं। इसके अलावा एक पिता अपने कंधे के एक तरफ कांवड़ और एक तरफ बेटे को बैठाकर चलते नजर आए।

हर दिन 25 से 30 किमी पैदल यात्रा

कांवड़ के साथ शिवभक्त हर दिन 25 से 30 किलोमीटर पैदल यात्रा कर रहे हैं। हरी-भरी वादियों और पहाड़ों के बीच से पैदल चलते शिवभक्त रात में किसी मंदिर में विश्राम करते हैं। डेढ़ सौ किलोमीटर का सफर चार से पांच दिन में किया जा रहा है।

इंदौर।अजयभारत न्यूज

इंदौर की तरफ आने वाली सड़कों पर सावन माह में आस्था के नए रंग बिखरे हैं। आंखों पर महंगे सनग्लासेस, कंधे पर सजी-धजी कांवड़ और बोल बम के जयघोष के साथ उठते कदमों से ओंकारेश्वर से उज्जैन के बीच की दूरी पैदल तय हो रही है। कई भक्त महेश्वर से भी उज्जैन जा रहे हैं।

आस्था की कांवड़ उठाने वालों में 12 से 15 साल के बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी हैं। आखिर क्या मिलता है कांवड़ यात्रा से? यह पूछे जाने पर उनका जवाब होता है–बाबा की भक्ति के बाद मन में संतोष रहता है। शरीर में अलग ही ऊर्जा रहती है। हर रोज हजारों कदम पैदल चलने के बावजूद दर्द नहीं ठहरता है।

कांवड़ यात्रा में शामिल एक युवक की कांवड़ पीतल से बनी थी और काफी सजी-धजी थी। उसने बताया कि वह पांच साल से पैदल कांवड़ यात्रा में शामिल होता है। इस बार बंगाली कांवड़ से यात्रा करने की इच्छा थी। दस हजार का खर्च आया, लेकिन कांवड़ देखकर लोग आते हैं तो खुशी मिलती है। उसकी कांवड़ में फूल, मोरपंख और पीतल की घंटियां बंधी हैं। एक शिवभक्त तो कंधे पर शिव प्रतिमा को लेकर पैदल-पैदल चल रहे हैं।

युवा मोर्चा का लक्ष्य है...सिर्फ जीत

› शिवम रानू राजावत ने कहा - भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्वालियर महानगर का हर कार्यकर्ता अपने आप को जिला अध्यक्ष समझे

› आगामी नगर निगम ग्वालियर के सभी 66 वार्ड, तीनों विधानसभा और लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से विजयश्री प्राप्त करना है युवा मोर्चा का लक्ष्य

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

आज से भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्वालियर महानगर का हर कार्यकर्ता अपने आप को जिला अध्यक्ष समझे। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जिन्होंने मुझे जिले के युवाओं का नेतृत्व करने का मौका दिया। अब हम सब युवाओं की जिम्मेदारी है कि पार्टी की मंशा अनुसार दिए कार्यक्रम, सरकार की जनहितकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाये। यह बात नवनियुक्त भाजयुमो जिला अध्यक्ष शिवम रानू राजावत ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के दत्तोपन्त ठेंगड़ी सभागार में पदभार ग्रहण समारोह एवं युवा संवाद कार्यक्रम में कही। श्री राजावत ने कहा आगामी नगर निगम ग्वालियर के सभी 66 वार्ड, तीनों विधानसभा और लोकसभा चुनाव में विजयश्री प्राप्त करना है युवा मोर्चा का लक्ष्य है। और आज से ही लक्ष्य प्राप्ति के लिए तन-मन-धन से लग जाये। श्री राजावत ने कहा हमें समाज में चल रही नकारात्मकता और सकारात्मकता को पहचानना है। और अपनी बुद्धिमता के बल पर नकारात्मकता का संकुचन कर सकारात्मकता का प्रसार करना है। निवर्तमान भाजयुमो जिला अध्यक्ष प्रतीक तिवारी ने कहा मुझे पार्टी ने 4 साल 4 महीनें युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष के तौर पर युवाओं का नेतृत्व करने का मौका दिया उसके लिए आजीवन आभारी रहूंगा। मेरी कार्यकारणी में रहे पदाधिकारी प्रदेश और जिले के पदाधिकारी है। यह मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है। क्योंकि युवा मोर्चा ही नेतृत्वकर्ता गढ़ता है जिसमें मैं सफल रहा। श्री तिवारी ने कहा आज का युवा मोर्चा का कार्यकर्ता कल का नेता है जो देश-प्रदेश की दिशा और दशा बदलने का काम करेगा। श्री तिवारी ने युवाओं से आव्हान करते हुए कहा कहा 'सूत्रपात नवयुग बेला का, संवाहक हम सभी बनें। कठिन परिश्रम और लगन से,नवयुग की पहचान बनें। 'भाजपा जिला प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शिवम रानू राजावत ने आप सभी को जिला अध्यक्ष माना है इसीलिए आप सभी की साख लगी है कि आप पार्टी को हर मोर्चे पर विजय श्री दिलाये। उन्होंने कहा 'जब बाप का जूता बेटे को बनने लगे तो उसको दुकान की चाबी थमा देनी चाहिए।' ऐसी कहावत हमारे इंदौर में प्रचलित है और आज शिवम रानू राजावत को हमने युवाओं की चाबी थमा दी है। अब इस दुकान को अच्छे से चलाना है और मुझे पूरी उम्मीद है कि आप अपनी जिम्मेदारियां में सफल होंगे।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, ग्वालियर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया, जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, जिला महामंत्री धर्मेंद्र बिट्टू तोमर, जिला महामंत्री राजू पलैया, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु राजावत, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री राहुल धमोले, युवा मोर्चा प्रदेश सह सोशल मीडिया प्रभारी रमाकांत शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश सह आईटी प्रभारी राजकुमार यादव सहित हजारों की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।कार्यक्रम का संचालन नवनियुक्त भाजयुमो जिला महामंत्री गौरव मिश्रा और आभार अखिल राजौरिया ने किया।

राजौरिया ने दिया सफलता का मंत्र

जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने संबोधित करते हुए कहा युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष पद फूल मालाओं का नहीं काटों का हार है। और इन काटों में हमें फूल बन कर उभरना है यही हमारी सफलता है। आगामी तिरंगा यात्रा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, 15 अगस्त सहित अन्य कार्यक्रम पार्टी ने दिए है। जिन्हें आप युवा मोर्चा के कार्यकर्ता का सफल बनाने है। आज जिस बढ़ी संख्या में युवा सभागार और सभागार के बाहर उपस्थित है इससे यह तो स्पष्ट हो गया। आज का युवा जागृत है वह देश विरोधियों के नहीं देश प्रेमियों के साथ है।

हर घर तिरंगा अभियान को जन आंदोलन बनाने का का आवाह्न

संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भाजपा जिला स्तरीय बैठक हुई संपन्न

मुरैना।अजयभारत न्यूज

भारतीय जनता पार्टी जिला मुरैना की संगठनात्मक मासिक बैठक भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में चंबल संभाग प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह, मुरैना-श्योपुर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा एवं जिला प्रभारी राजू बाथम के मार्गदर्शन में आगामी जिला स्तरीय कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा एवं दिशा-निर्देश दिये गये।

बैठक को संबोधित करते हुए चंबल संभाग प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता का जनअभियान है। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी के साथ जन आंदोलन का रूप दिया जाये।

मुरैना-श्योपुर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर तिरंगा यात्रा एवं हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक रूप से सफल बनाएं।

भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा ने कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण में निहित है। आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से आयोजित करने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी जायेंगी। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा एवं संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले सामाजिक समरसता के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटें।

जिला प्रभारी राजू बाथम ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मंडलों एवं बूथों पर कार्यक्रमों की प्रभावी योजना बनाकर उन्हें समयबद्ध तरीके से संपन्न किया जाए।

जिला मीडिया प्रभारी दिलीप दंडोतिया ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, पूर्व विधायक रघुराज कंसाना, श्री कमलेश जाटव, सूबेदार सिंह सिकरवार, वरिष्ठ नेता हमीर सिंह पटेल, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री श्री महेंद्र यादव ने किया तथा आभार जिला महामंत्री सोनू परमार ने व्यक्त किया।

अगस्त क्रांति पर नगर में निकला ऐतिहासिक तिरंगा मार्च, देशभक्ति से सराबोर हुआ अम्बाह

अम्बाह।अजयभारत न्यूज

अगस्त क्रांति दिवस की 84वीं वर्षगांठ पर नगर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तिरंगा यात्रा एसडीएम प्रतिज्ञा शर्मा और बीईओ राम-लखन किरार,समाजसेवी डॉ. सुधीर आचार्य और आनन्द विभाग के जिला संपर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा,आचार्य आनन्द टीम के पदाधिकारी अरविन्द मावई, विश्वनाथ गुर्जर, अंकित मिश्रा, महेंद्र सखबार की उपस्थिति में सम्पन्न हुई.

सुधीर आचार्य के संयोजन में निकले विशाल 'तिरंगा मार्च' में हजारों विद्यार्थी एवं नागरिकों ने भाग लेकर पूरे शहर को तिरंगामय कर दिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् तथा अमर शहीदों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा के उद्घोष से पूरा नगर गूंज उठा।

मार्च का शुभारंभ एसडीएम प्रतिज्ञा शर्मा ने ब्राइट कैरियर एकेडमी से हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर आमजन के साथ कदम से कदम मिलाकर मार्च किया। एसडीएम को अपने बीच पाकर नागरिकों का उत्साह दोगुना हो गया।

मार्च में ब्राइट कैरियर एकेडमी के छात्र-छात्राएं आकर्षण का केंद्र बने रहे। तिरंगे की ड्रेस, केसरिया-सफेद-हरी पगड़ी और सिर पर तिरंगा कैप पहने बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीतों पर नारे लगाए। 'मेरा रंग दे बसंती चोला' और 'ए वतन' गीतों पर बच्चों की प्रस्तुति देखकर मार्ग में खड़े लोग भी भावुक हो गए। अभिभावकों ने बच्चों की इस देशभक्ति को खूब सराहा।

मार्च के समापन पर आयोजित सभा में एसडीएम प्रतिज्ञा शर्मा और समाजसेवी डॉ. सुधीर आचार्य ने प्रेरक उद्बोधन दिए।

कार्यक्रम का राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। संचालन संगीता तोमर ने और आभार रानी शर्मा ने किया।

रामराज कॉटन ने पंचा टीएम के लॉन्च के साथ

ओडिशा की संथाली बुनाई परंपरा को पुनर्जीवित किया

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

रामराज कॉटन ने पंचा टीएम नाम से एक नई हैंडलूम पेशकश लॉन्च की है, जिसमें ओडिशा के मयूरभंज की पारंपरिक संथाली बुनाई को आधुनिक धोती के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पंचा के माध्यम से भारत की कम-ज्ञात बुनाई परंपराओं को पहचान दिलाने के अपने प्रयास को आगे बढ़ा रहा है, जिससे इस शिल्प को जीवित रखने वाली आदिवासी महिला बुनकरों को नई पहचान और आजीविका के अवसर मिल सकें।

लॉन्च के अवसर पर रामराज कॉटन के संस्थापक एवं चेयरमैन, द कल्चरप्रेन्योर केआर नागराजन ने कहा,'भारत की हैंडलूम विरासत बेहद विविधतापूर्ण है, लेकिन कई खूबसूरत बुनाई परंपराएँ आज भी केवल उन समुदायों तक ही सीमित हैं, जिन्होंने उन्हें जीवित रखा है। मयूरभंज की संथाली बुनाई ऐसी ही एक अनमोल विरासत है। हमारा मानना है कि इसकी मौलिकता बनाए रखते हुए इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहिए। पंचा के माध्यम से हमने इस पारंपरिक बुनाई को धोती के रूप में नए स्वरूप में प्रस्तुत किया है, जिससे इस शिल्प के लिए एक नया अवसर तैयार हुआ है, साथ ही इससे जुड़ी कला और पहचान भी सुरक्षित बनी हुई है। हमें उम्मीद है कि यह पहल इस बुनाई के प्रति लोगों की सराहना बढ़ाएगी और उन महिला बुनकरों की आजीविका को मजबूत करेगी जिन्होंने इस परंपरा को आज तक जीवित रखा है।

पवन शर्मा भारद्वाज बने इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट (लंदन) के विशिष्ट सदस्य

वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अदिश सी. अग्रवाल से भेंट कर व्यक्त किया आभार, विधि एवं न्याय के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का मिला अवसर

मुरैना/नई दिल्ली।अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश के युवा अधिवक्ता एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय पवन भारद्वाज को इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट, लंदन की ओर से पांच वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट सदस्य के रूप में सदस्यता प्रदान की गई है। यह सदस्यता वर्ष 2026 से 2031 तक प्रभावी रहेगी।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अदिश सी. अग्रवाल से भेंट कर पवन भारद्वाज ने इस महत्वपूर्ण दायित्व एवं सम्मान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल द्वारा पवन भारद्वाज को विशिष्ट सदस्यता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया तथा उन्हें विधि एवं न्याय के क्षेत्र में निरंतर सक्रियता के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

डॉ. अदिश सी. अग्रवाल भारतीय विधि जगत के प्रतिष्ठित नाम हैं। वे इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट, लंदन के अध्यक्ष तथा ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन हैं। वे पूर्व में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष,

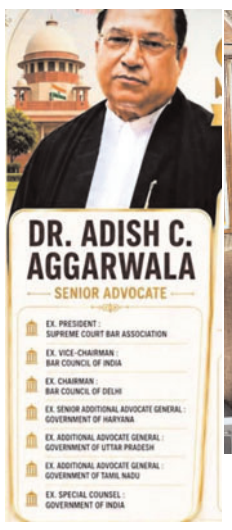

बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया के वाइस-चेयरमैन, दिल्ली बार काउंसिल के अध्यक्ष सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विधि के क्षेत्र में जुड़ने का अवसर

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट की सदस्यता प्राप्त होने के बाद पवन भारद्वाज ने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के युवा विधि समुदाय के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के विधिवेत्ताओं और न्यायविदों के साथ जुड़कर कानून, न्याय, मानवाधिकार, संवैधानिक मूल्यों तथा विधिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट जैसे अन्तर्राष्ट्रीय मंच से जुड़ना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं इस मंच के माध्यम से विधि एवं न्याय के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने, युवा अधिवक्ताओं को अन्तर्राष्ट्रीय विधिक गतिविधियों से जोड़ने तथा समाज में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करूंगा। पवन भारद्वाज ने इस अवसर पर डॉ. अदिश सी. अग्रवाल के मार्गदर्शन और विश्वास के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल का दीर्घकालीन विधिक अनुभव और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सक्रिय भूमिका युवा अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणादायी है।

युवा अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणादायी अवसर

पवन भारद्वाज ने कहा कि आज के दौर में कानून का क्षेत्र केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, अंतरराष्ट्रीय कानून, डिजिटल कानून, नागरिक अधिकार और वैश्विक न्याय व्यवस्था जैसे अनेक विषयों तक इसका विस्तार हो चुका है। ऐसे में युवा अधिवक्ताओं का अन्तर्राष्ट्रीय विधिक संस्थाओं से जुड़ना उनके ज्ञान एवं अनुभव को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली युवा अधिवक्ताओं और विधि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अवसरों की जानकारी मिले तथा वे विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित हों।

डॉ. अदिश सी. अग्रवाल से विशेष मुलाकात

इस अवसर पर पवन भारद्वाज ने डॉ. अदिश सी. अग्रवाल से विधि एवं न्याय व्यवस्था से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा भी की। मुलाकात के दौरान युवा अधिवक्ताओं की भूमिका, विधिक शिक्षा, न्याय तक आम नागरिक की पहुंच तथा अंतरराष्ट्रीय विधिक मंचों पर भारत की भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

डॉ. अग्रवाल ने पवन भारद्वाज को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विधि के क्षेत्र में निरंतर अध्ययन, अनुसंधान और समाजहित में कार्य करने का संदेश दिया। पवन भारद्वाज ने कहा कि 'वरिष्ठ विधिवेत्ताओं का मार्गदर्शन युवा अधिवक्ताओं के लिए अमूल्य पूंजी है। डॉ. अदिश सी. अग्रवाल जी से प्राप्त मार्गदर्शन और आशीर्वाद मुझे भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। '

मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय

पवन भारद्वाज की इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, अधिवक्ताओं एवं युवा साथियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। उनके साथियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की विधिक संस्था से जुड़ना मध्यप्रदेश के एक युवा अधिवक्ता के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे प्रदेश के अन्य युवा विधि पेशेवरों को भी अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। पवन भारद्वाज ने अंत में कहा कि वे इस सदस्यता को केवल सम्मान के रूप में नहीं, बल्कि विधि, न्याय और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निभाने के अवसर के रूप में देखते हैं।

'न्याय व्यवस्था में विश्वास, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच–इन्हीं मूल्यों के साथ आगे कार्य करना मेरा संकल्प रहेगा। '

कलेक्टर ने जनविश्वास अभियान अंतर्गत हरीक्षा में किया जनसंवाद

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानी जमीनी हकीकत

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के पहले दिन कलेक्टर ने हरीक्षा के निर्माणाधीन पंचायत भवन में ग्रामवासियों से जनसंवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपस्थित ग्रामीणों की शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर आज ही दर्ज की जाएं। उन्होंने ग्राम सरपंच और पंचायत सचिव से पीएम आवास योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राशन दुकान की कार्यप्रणाली पर ग्रामीणों की प्रतिक्रिया जानी, जिसपर ग्रामीणों ने बताया कि सभी को सही वजन का राशन समय पर मिलता है।

कलेक्टर ने ग्रामवासियों को बताया कि ग्राम पंचायत के सीमित संसाधन होने के कारण ग्राम सभा से प्राथमिकता तय करवाकर पुल-पुलिया, सड़क और अन्य विकास कार्य करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य टिकाऊ होना चाहिए, जिसके लिए ग्राम सभा की निगरानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हरीक्षा के पंचायत भवन का गुणवत्तापूर्ण निर्माण किया जाए, जिससे ये भवन लम्बे समय तक खराब न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि नए पंचायत भवन में सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के संबंध में पेंटिंग की जाए।

कलेक्टर ने ग्रामीणों को प्रेरित किया कि वे ग्राम के पक्के मुख्य मार्ग पर अत्याधिक कीचड़ की समस्या निवारण के लिए ग्राम पंचायत के साथ मिलकर मिट्टी हटाएं। उन्होंने कहा कि सड़क पर गोबर फेंकने की प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए, और इसे खेत में ही डालने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के नेतृत्व में ग्रामीण अपने गांव को नशामुक्त बनाने के प्रयास करें।

कलेक्टर ने हरीक्षा के शासकीय माध्यमिक विद्यालय हरीक्षा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय पहुंचकर शिक्षण की गुणवत्ता जांचने के लिए विद्यार्थियों से पहाड़े और अन्य प्रश्न पूछे तथा शिक्षकों से पुस्तक, गणवेश, पानी जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय में पानी की टंकी की व्यवस्था करने और पुराने जीर्णशीर्ण विद्यालय भवन को गिरवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यालय के समीप स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आंगनवाड़ी केंद्र हरीक्षा-2 का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम मेहगांव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लहार में शासकीय शिक्षकों की निजी कोचिंग पर सवाल

सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक वर्षों से चला रहे निजी कोचिंग सेंटर

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

लहार। अजयभारत न्यूज

नगर लहार में शासकीय शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों का दावा है कि पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में कई ऐसे कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं, जिनका संचालन शासकीय शिक्षक स्वयं कर रहे हैं। आरोप है कि यह व्यवस्था लंबे समय से चल रही है, लेकिन शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे।

सूत्रों के अनुसार कुछ शासकीय शिक्षक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को निजी कोचिंग में पढ़ने की सलाह देते हैं। यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है तो शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल

नगर में चर्चा है कि संबंधित अधिकारियों की जानकारी के बावजूद इन कोचिंग संस्थानों का संचालन वर्षों से जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शासकीय शिक्षक निजी कोचिंग चला रहे हैं तो विभागीय नियमों के तहत इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में

बताया जा रहा है कि कई निजी कोचिंग संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगे हैं और न ही विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम दिखाई देते हैं। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इन संस्थानों में अध्ययन करने पहुंचते हैं, ऐसे में सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी चिंता का विषय बन रही है।

शिक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है असर

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शासकीय शिक्षक निजी कोचिंग के संचालन में संलिप्त पाए जाते हैं और सरकारी स्कूलों के छात्रों को कोचिंग के लिए प्रेरित करते हैं, तो इससे सरकारी शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता और गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे मामलों में विभागीय नियमों के पालन की जांच आवश्यक है।

जांच की मांग तेज

नगर के अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शासकीय शिक्षकों और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

क्या कहते हैं नियम

शासकीय कर्मचारियों पर लागू सेवा नियमों के अनुसार निजी व्यवसाय अथवा अन्य निजी कार्यों के संबंध में विभागीय अनुमति और नियमों का पालन आवश्यक होता है। किसी भी संभावित उल्लंघन की पुष्टि सक्षम विभागीय जांच के बाद ही की जा सकती है।

जिला प्रशासन से कार्यवाही की मांग

अब सभी की नजर शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन पर है कि वे इन आरोपों की निष्पक्ष जांच नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

चौड़ीकरण की लगातार मांग के बावजूद सरकार और विभाग मौन

एनएच- 719 बना हादसों का हाईवे, क्या भाजपा सरकार और मौतों का इंतजार कर रही: पंकज त्रिपाठी

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

जिला कांग्रेस ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

ग्वालियर - भिण्ड - इटावा नेशनल हाईवे -719 इन दिनों हादसों का हाईवे बन चुका है । आए दिन हो रही हृदयविदारक सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है,लेकिन इसके बावजूद भाजपा सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े जिम्मेदार विभाग जनता की वर्षों पुरानी सड़क चौड़ीकरण और सुरक्षा व्यवस्था की मांग को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं ।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि संत समाज,समाजसेवी, कांग्रेस सहित विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा लगातार एनएच - 719 के चौड़ीकरण और सड़क सुरक्षा की मांग उठाई जा रही है,लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है ।

उन्होंने कहा कि सड़क पर लगातार बढ़ता यातायात और दुर्घटनाओं की गंभीर स्थिति किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रही है। इसके बावजूद जिला प्रशासन द्वारा भी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त एवं ठोस सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं । सरकार और प्रशासन की यह उदासीनता सीधे तौर पर आम जनता की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है।

त्रिपाठी ने कहा कि सरकार केवल विकास के दावे और घोषणाएं करने तक सीमित न रहे,बल्कि एनएच-719 की जमीनी स्थिति को देखकर तत्काल चौड़ीकरण, ब्लैक स्पॉट सुधार, पर्याप्त संकेतक, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे । जनता की जान से बड़ा कोई विकास नहीं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही एनएच - 719 की सुरक्षा और चौड़ीकरण को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल के नेतृत्व में जनता के साथ मिलकर बड़ा जनांदोलन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-

खाद के लिए कतार,भाजपा सरकार में अन्नदाता बेहाल: रामशेष बघेल

किसान खेत में पसीना बहाए और खाद के लिए रातभर लाइन में खड़ा रहे, यह कैसी किसान हितैषी सरकार

नई गल्ला मंडी में खाद वितरण व्यवस्था पर कांग्रेस का तीखा हमला

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

भिण्ड की नई गल्ला मंडी में खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने किसानों की परेशानियों को लेकर भाजपा सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अन्नदाता खाद के लिए रात 3 बजे से कतार में खड़ा होने को मजबूर है।

बघेल ने कहा कि नई गल्ला मंडी में खाद लेने के लिए किसान,मातृशक्ति और बहन-बेटियां रात के अंधेरे से ही लाइन में लग जाती हैं। घंटों भूखे-प्यासे अपनी बारी का इंतजार करने के बाद भी उन्हें खाद मिलने की कोई गारंटी नहीं रहती। दूसरी ओर, संबंधित अधिकारी सुबह करीब 11 बजे काउंटर पर पहुंचते हैं और शाम 5 बजे काउंटर बंद कर दिए जाते हैं। बघेल ने कहा कि जब किसान रात 3 बजे से खाद के लिए कतार में खड़ा है तो वितरण व्यवस्था सुबह से ही प्रभावी क्यों नहीं की जा रही, यदि किसानों की संख्या अधिक है तो अतिरिक्त काउंटर क्यों नहीं खोले जा रहे, वितरण का समय क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा। उन्होंने कहा कि किसान रातभर लाइन में खड़ा रहे और अधिकारी निर्धारित समय के बाद काउंटर बंद कर दें,इससे बड़ी विडंबना क्या होगी। कई किसान पूरा दिन इंतजार करने के बाद भी बिना खाद लिए वापस लौटने को मजबूर हैं। बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार किसान हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन खाद के लिए किसानों की लंबी कतारें और उनकी परेशानियां सरकार के उन दावों की जमीनी हकीकत सामने ला रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस अन्नदाता के खेत से देश का पेट भरता है,उसे अपनी फसल बचाने के लिए खाद के लिए दर-दर भटकना पड़े, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद किसान खेती में लागत लगा रहा है,लेकिन समय पर डीएपी और यूरिया नहीं मिलने से उसकी चिंता बढ़ती जा रही है। जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष रामशेष बघेल ने कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि खाद वितरण केंद्रों पर काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाए,पर्याप्त मात्रा में डीएपी एवं यूरिया उपलब्ध कराया जाए,वितरण का समय बढ़ाया जाए तथा भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए।

सिविल न्यायालय खनियाधाना में भव्य रक्तदान शिविर सम्पन्न

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेंद्र प्रसाद सोनी के प्रेरणादायी नेतृत्व में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में, तहसील न्यायालय खनियाधाना की पीठासीन अधिकारी श्रीमती अंजना यादव के कुशल निर्देशन में गतदिवस सिविल न्यायालय खनियाधाना परिसर में एक भव्य एवं प्रेरणास्पद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर केवल एक आयोजन न होकर मानवता, सेवा और परोपकार की उच्चतम भावना का सजीव उदाहरण बनकर उभरा। न्यायालय परिसर में आयोजित इस महत्त्वपूर्ण पहल में न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट परिचय दिया।रक्तदाताओं में डॉ. मनोज यादव, विनीत शर्मा (स्टेनो), राहुल राय (साक्ष्य लेखक), श्री कृष्णा कुशवाहा (क्रिमिनल रीडर), विमल साहू, भगवती प्रसाद कुशवाहा, सुनील अहिरवार सहित अधिवक्तागण में राजाजी बुंदेला, विमल ओझा, सुरेंद्र लोधी एवं अन्य जागरूक नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। शिविर में कुल 33 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

तिरंगा यात्रा को सभी मिलजुल कर सफल बनाये: प्रभारी मंत्री

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक एवं कार्यशाला संपन्न

तिरंगा यात्रा केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नही बल्कि राष्ट्र भक्ति,सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता को जन जन तक पहुंचाने का अभियान हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा मे तेजी से आगे बढ़ रहा हैं,आर्थिक प्रगति के साथ साथ राष्ट्र के संस्कार,संस्कृति और देशभक्ति की भावना को भी समान रूप से सशक्त करना आवश्यक हैं उक्त बात शिवपुरी के नक्षत्र होटल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी जिला बैठक एवं कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिला भाजपा के अध्यक्ष जसवंत जाटव ने कही ।बैठक को जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रदुमन सिंह तोमर ने वर्चुअल रूप से सम्बोधित करते हुए कहाँ की हर घर तिरंगा यात्रा को सभी मिलजुल कर और समाजसेवी संस्थायो के सहयोग से हर घर मे और हर बूथ स्तर पर तिरंगा फहराये, इससे पूर्व मंचासीन सभी अतिथियों ने भाजपा के पितृ पुरुषो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व विधायक नरेंद्र विरथरे ने संगठन को अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने तथा आगामी कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक में जिला प्रभारी नंदकिशोर नापित ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा की 9 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा जिसमे बूथ,शक्ति केंद्र,मंडल एवं जिला स्तर पर हर घर मे राष्ट्रीय ध्वज लगाना हैं और 16 अगस्त से फरवरी 2027 तक संत रविदास जी के कार्यक्रम चलेंगे हमें सभी पार्टी कार्यक्रम मे शामिल होना हैं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वर्चुअल माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुए एवं अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक का संचालन के पी परमार ने किया जबकि आभार व्यक्त योगेंद्र रघुवंशी ने किया

संक्षिप्त समाचार

ब्लॉक स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में हुनर दिखाकर पाया स्थान,मिला सम्मान

शिवपुरी विकास खंड के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

शिवपुरी। शिवपुरी विकासखंड में इन दिनों ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं इसी क्रम में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 7 अगस्त से गुरुनानक इंटरनेशनल स्कूल, रातौर रोड पर शुरू हुआ। प्रतियोगिता में विकासखंड शिवपुरी के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर तैराकी में अपना हुनर दिखाया। विकासखंड क्रीड़ा प्रभारी विवेकवर्धन शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में तैराकी की अलग-अलग स्पर्धाएं आयोजित की गईं। बालक वर्ग के जूनियर फ्री स्टाइल 50 मीटर में सिंघम धाकड़ (गीता पब्लिक स्कूल), मिनी वर्ग में यथार्थ धाकड़ (गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल) तथा जूनियर बैक स्ट्रोक में निशांत धाकड़ (गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग के जूनियर फ्री स्टाइल 50 मीटर में जयंती यादव (गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल), 100 मीटर में हिरका चावला (गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल) तथा जूनियर बैक स्ट्रोक में अवनी तिवारी (सेंट चार्ल्स स्कूल) प्रथम रहीं। मिनी वर्ग में मानवी गुप्ता (गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल) ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं मिनी वर्ग की बटरफ्लाई स्पर्धा में श्रुति रावत एवं अवनी राठौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में हॉलीवुड स्कूल एवं दून पब्लिक स्कूल सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। ब्लाक क्रीड़ा प्रभारी विवेक वर्धन शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संपन्न कराने में संजीव पांडे, पीटीआई दीपक मांझी, बृजेंद्र भार्गव, निखिल श्रीवास्तव, गोलू लोधी एवं सुखबीर सिंह कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

थाना सुभाषपुरा पुलिस द्वारा किसान की 10 नग गुम हुई भैंसों को खोजकर पशु स्वामी को किया सुपुर्द

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया , आर.डी. प्रजापति अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं सचिन कुमार धुर्वे एसडीओपी शिवपुरी के मार्ग दर्शन में किसानों व चरवाहों के गुम हुए पशुओ की शीघ्र तलाश करने के निर्देशन मे थाना प्रभारी सुभाषपुरा द्वारा ग्राम गुरावल के बद्री कुशवाह पुत्र श्री रामजीलाल कुशवाह उम्र 45 साल निवासी ग्राम गुरावल के 10 नग पशु भैंसें (छोटे बडे) के दिनांक 01.08.2026 की रात्रि मे ग्राम गुरावल से गुम हो जाने की सूचना पर तत्काल मुखबिरों को सक्रिय किया गया तथा पशुओ की खोज के प्रयास मे लगातार जंगल सर्चिग की जाती रही। इसी क्रम मे आज दिनांक 08.08.2026 को मुखबिर सूचना पर मय फोर्स के पशुस्वामी किसान को साथ लेकर रवाना होकर गुम पशुओ की तलाश करते हुए गसवानी थानाक्षेत्र मे पंहुचे, जहां पर पशुओं की तलाश करते समय दूधवाली पुलिया के पास जंगल मे किसान के सभी 10 नग पशु अच्छी हालात मे चरते हुए मिले जिन्हे सभी हमराह की सहायता से किसान बद्री कुशवाह पुत्र श्री रामजीलाल कुशवाह उम्र 45 साल निवासी ग्राम गुरावल को सुपुर्द किया गया । अपने सभी पशुओ को पाकर किसान का चेहरा खिल उठा। किसान, उसके परिजनों व ग्रामीणो द्वारा पुलिस को धन्यवाद देते हुए पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही की सराहना की गई ।

खास खबर रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन में पशु चिकित्सा विभाग की जांच

181 गोवंश का सत्यापन, करीब 300 क्विंटल भूसा मिला, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

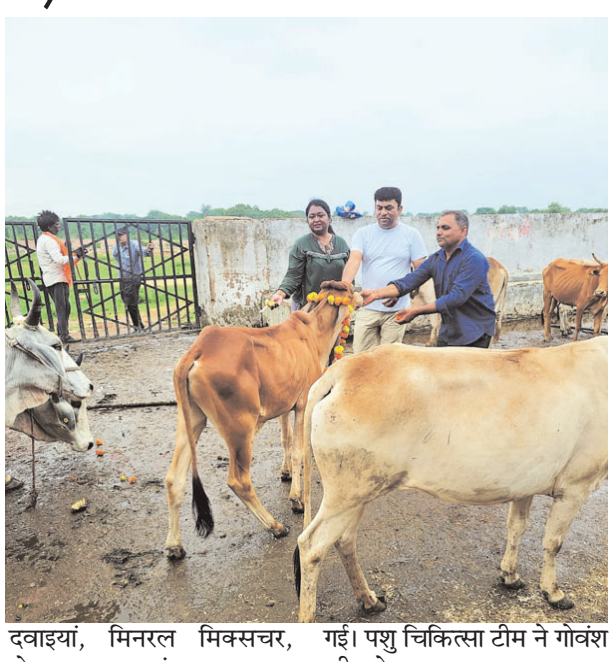

रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन, नगोरेला में 8 अगस्त 2026 को पशु चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए गोवंश का सत्यापन किया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में कुल 181 गोवंश पाए गए, जिनका सत्यापन एवं संख्या का अभिलेखन किया गया। टीम ने गौशाला में पानी की टंकी, बोर, मोटर-पंप सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। गौशाला के भूसा गोदाम में लगभग 300 क्विंटल भूसा उपलब्ध पाया गया। इसके साथ ही गोवंश के लिए आवश्यक दवाइयां, मिनरल मिक्सचर, पोषक तत्व एवं अन्य खाद्य सामग्री की उपलब्धता भी देखी गई। पशु चिकित्सा टीम ने गोवंश की देखभाल तथा उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी दर्ज की। निरीक्षण के दौरान चारा-पानी एवं पशु चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं व्यवस्थित मिलीं। टीम ने गौशाला प्रबंधन द्वारा गोवंश की सेवा, संरक्षण एवं देखभाल के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही आगामी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने तथा गोवंश की सेवा, संरक्षण, स्वास्थ्य, चारा एवं पानी की व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन की ओर से पशु चिकित्सा विभाग की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि गोवंश की सेवा एवं संरक्षण का कार्य आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रखा जाएगा।

खनियाधाना में उर्वरक विक्रेता के गोदाम पर छापा, अनियमितता मिलने पर गोदाम किया सील

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विभिन्न शासकीय एवं आशासकीय संस्थाओं के निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने सभी अधिकारियों को संबंधित कार्यालय एवं संस्थाओं के औचक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं ताकि व्यवस्थाओं को और सुव्यवस्थित किया जा सके। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड खनियाधाना द्वारा शुक्रवार को विकासखंड खनियाधाना के उर्वरक विक्रेता सिद्ध ट्रेडर्स अछरौनी प्रो. अंकित जैन के प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर उक्त प्रतिष्ठान के गोदाम को तत्काल सील कर दिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद, बीज और कीटनाशक खरीदें और हर खरीद पर पक्का बिल जरूर लें। बिना बिल के कोई भी कृषि सामग्री न खरीदें। यदि किसी दुकान पर नकली या संदिग्ध सामग्री बेचे जाने की जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना नजदीकी कृषि कार्यालय को दें, जिससे समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर जारी हुई एडवायजरी, सतर्कता और स्वच्छता अपनाने की अपील

वर्षा जनित बीमारियों से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुरैना। अजय भारत न्यूज

जिले में वर्षा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मैदानी अमला पूरी सतर्कता के साथ जरूरतमंदों को समय पर उपचार उपलब्ध कराए। साथ ही अस्पतालों में जरूरी दवाओं का पर्याप्त भण्डारण रहे। कलेक्टर ने बारिश के मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए समय-समय पर जन-जागरूकता संबंधी सलाह भी जारी करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए हैं।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने वर्षा जनित बीमारियों से बचाव के लिए एडवायजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में उल्टी-दस्त, हैजा, पीलिया और टायफाइड जैसे जलजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचाव के लिए केवल उबला हुआ एवं ढंककर रखा पानी ही पीने की सलाह दी गई है।

एडवायजरी में नागरिकों से बासी एवं खुले में रखे भोजन का सेवन नहीं करने की अपील की गई है। सड़े-गले तथा कटे-फटे फल खरीदने से बचने, फल एवं सब्जियों को अच्छी तरह धोकर उपयोग करने तथा भोजन बनाने, परोसने और खाने से पहले साबुन से हाथ धोने की सलाह दी गई है। साथ ही खुले में बिकने वाले नाश्ते, चाट-पकौड़ी एवं अन्य खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने का आग्रह किया गया है। बारिश के दौरान मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इससे बचाव के लिए घर एवं आसपास पानी जमा नहीं होने दें। अनुपयोगी बर्तन, टायर, टूटे मटके, गमले और बाल्टियों में पानी एकत्र न होने दें। कूलर एवं पानी की टंकियों का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें। घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें तथा खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं। बुखार आने पर तत्काल रक्त जांच कराकर चिकित्सकीय परामर्श के बाद ही दवा लें।

डीआईजी चंबल रेंज एवं पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा चंबल क्षेत्र का भ्रमण, ग्रामीणों से सीधा संवाद किया

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(का,सं) । मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत डीआईजी चंबल रेंज एवं पुलिस अधीक्षक मुरैना ने सरायछौला एवं सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चंबल नदी आसपास के गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया।

इस दौरान कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर, यातायात व्यवस्था एवं अवैध रेत उत्खनन/परिवहन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये।

रोटरी क्लब चम्बल का शपथ ग्रहण समारोह 9 अगस्त को, कई अतिथि करेंगे कार्यक्रम में शिरकत

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(का,सं) । रोटरी क्लब चम्बल मुरैना का शपथ एवं पद दायित्व ग्रहण समारोह 9 अगस्त रविवार को होटल शुभिम रिसोर्ट बानमोर में सम्पन्न होगा । समाजसेवी संघठन रोटरी क्लब चम्बल के नवीन सत्र 2026-27 के नवीन अध्यक्ष रोटेरियन करतार सिंह राजपूत, सचिव रोटेरियन मयंक श्रीवास्तव अपनी पूरी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर टीम के साथ लेंगे शपथ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली प्रदेश की महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता शिरकत करेंगी, साथ ही साथ गेस्ट ऑफ ऑनर ग्वालियर और चम्बल संभाग के चित परिचित अधिकारी डीआईजी डॉ असित यादव उपस्थित होंगे, साथ ही साथ कैट के प्रदेश अध्यक्ष पीडीजी रोटेरियन भूपेंद्र जैन जी, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के प्रान्तपाल रोटेरियन सीए बृजमोहन अग्रवाल, एमपीसीसीआई ग्वालियर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सह प्रान्तपाल रोटेरियन सीए प्रकाश अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता के साथ साथ शहर के सभी समाजसेवी संघटनों के पदाधिकारी, प्रबुद्धजन, मध्यप्रदेश और राजस्थान के रोटरी लीडर्स एवं पत्रकारबन्धु कार्यक्रम में शामिल होंगे ।

पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं छात्रावास की अव्यवस्थाओं के खिलाफ ABVP का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मुरैना। अजय भारत न्यूज

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय और छात्रावास में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल एवं महाविद्यालय के छात्रों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन की लापरवाही तथा विद्यार्थियों को हो रही मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं के खिलाफ किया गया। इस दौरान छात्रों ने कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला अधिकारी के नाम एस डी एम को ज्ञापन सौंपा।

ABVP द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय एवं छात्रावास में लंबे समय से विद्यार्थियों को विभिन्न मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार समस्याओं को कॉलेज प्रशासन के संज्ञान में लाने के बावजूद उनका उचित एवं स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से छात्रावास में बिजली की समस्या, साफ-सफाई का अभाव, गंदगी के कारण सांप आदि आने की समस्या, पानी की समस्या, कक्षाओं एवं लैब की सुविधाओं का सुचारू रूप से उपलब्ध न होना, कॉलेज स्टाफ का समय पर उपस्थित नहीं होना तथा प्राचार्य के समय पर कॉलेज में उपस्थित नहीं रहने जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

इस दौरान नगर सह मंत्री गिरजेश पचौरी ने कहा कि कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है। छात्रों की समस्याओं को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आगे आंदोलन किया जाएगा।

सचिन शर्मा ने कहा कई बार कॉलेज प्रशासन को लिखित में शिकायत दी गई, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो ,क्क्क्क उग्र आंदोलन करेगी

ABVP ने जिला प्रशासन से मांग की कि कॉलेज एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का तत्काल निरीक्षण कराकर विद्यार्थियों की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए तथा जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के हित एवं उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए परिषद लगातार आवाज उठाती रहेगी। यदि समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो विद्यार्थी परिषद द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।

ज्ञापन एवं प्रदर्शन के दौरान श्रीराम उपाध्याय, सचिन डिडोखर, सचिन तिवारी, जयवीर यादव, प्रियांशु सिकरवार, दीपक शर्मा, अरविंद इंडोलिया, धर्मेंद्र जाटव, दीपेंद्र, अंकित, शैलेंद्र, अभिषेक, नितेश आदि उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना आज मुरैना आयेंगे

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(का,सं) । प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना रविवार, 09 अगस्त 2026 को मुरैना प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री कंषाना अपरान्ह 5 बजे ग्वालियर से प्रस्थान कर सायं 6 बजे मुरैना पहुंचेंगे। यहां वे रात्रि विश्राम करेंगे।

कावड़ यात्रियों के लिए श्री शिव सेवक संघ मुरैना द्वारा कावड़ कैंप प्रारंभ

मुरैना। अजय भारत न्यूज

प्रतिवर्ष की भाती इस वर्ष भी कावड़ यात्रियों के लिए लंगर सेवा करने वाले श्री शिव सेवक संघ मुरैना द्वारा पुराना सेल टैक्स बैरियर पलाश ढाबा के पास श्री मंशा पूर्ण हनुमान जी मंदिर के बगल में कावड़ कैंप विगत 6 दिवस से लगा हुआ है । कावड़ यात्रियों के लिए लंगर सेवा स्वास्थ्य परीक्षण दवाइयां एवं ठहरने की व्यवस्था चाय अल्पाहार आदि की व्यवस्था आगामी भोले की चौदस तक निरंतर चलेगा । श्री शिव सेवक संघ मुरैना विभिन्न समाज प्रेमियों का एक सामाजिक संगठन है जिसमें सभी समाजों के समाज से भी समय-समय पर वृद्ध जनों के लिए गौ सेवा के क्षेत्र में गौशालाओं में गायों की सेवा हरा चारा भूसा आदि की व्यवस्था करता है । कावड़ यात्रियों के लिए चलाएं जाने वाले इस कार्बन कैंप में प्रातः से ही चाय अल्पाहार फल तथा दवाइयां एवं चिकित्सकों के द्वारा सेवा का कार्य किया जा रहा है गोबर भजन लंगर के रूप में निरंतर चलता रहता है जो रात्रि तक चलता है कावड़ यात्रियों के लिए ठहरने एवं रात्रि विश्राम की उचित व्यवस्था कूलर पंखे गाडो बिछावन आदि की समुचित व्यवस्था सेवा कर के रूप में की जा रही है । श्री शिव सेवक संघ मुरैना के मुख्य कार्यकर्ताओं में रघुवीर प्रसाद बंसल पवन अग्रवाल कमल किशोर गर्ग विजय वर्मा महेश पाठक नंदकिशोर मंगल नंदकिशोर मंगल पप्पू कुशवाहा कमल शांडिल या राजकुमार जादौन आदि पूर्ण समर्पण के साथ कावड़ यात्राओं की सेवा में 24 घंटे का समय दे रहे हैं उक्त कैंप बोला की चौदस तक चलेगा ।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता का आज मुरैना आएंगी, शहर में होगा भव्य स्वागत

मुरैना। अजय भारत न्यूज

दिल्ली महिला आयोग (DCW) की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता आज रविवार, 9 अगस्त को मुरैना प्रवास पर आ रही हैं। उनके आगमन को लेकर शहर के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, व्यापारिक और चिकित्सा संगठनों में भारी उत्साह है। रविवार को दिनभर शहर के अलग-अलग स्थानों पर उनके सम्मान में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किये जायेंगे। प्रशासन और आयोजकों ने इस सघन दौरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

.पैतृक निवास पर पूजन के साथ होगी दिन की शुरुआत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमती लता गुप्ता का प्रवास रविवार सुबह 10:00 बजे उनके झण्डा चौक स्थित निवास से शुरू होगा। यहाँ पहुँचकर वे सबसे पहले परम पूज्य बाबा स्व. श्री बाबूलाल जी गुप्ता और अम्माजी स्व. श्रीमती कपूरी देवी जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगी। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक वे झंडा चौक निवास पर ही स्थानीय कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और आमजनों से आत्मीय भेंट करेगी

शैक्षणिक और सामाजिक संगठनों द्वारा होगा सम्मान

कार्यकर्ताओं से भेंट के बाद, सुबह 11:30 बजे विद्या भारती एवं पूर्व छात्र परिषद द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में उनका भव्य अभिनंदन किया जायेगा।

इसके उपरांत दोपहर 12:30 बजे काशीबाई धर्मशाला में माहौर ग्वार्रे वैश्य समाज द्वारा एक विशेष अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है, जहाँ समाज के प्रबुद्धजन उनका आत्मीय स्वागत करेंगे। दोपहर 2:00 बजे से 3:15 बजे तक वे अपने झंडा चौक निवास पर अल्प विश्राम करेंगी।

अग्रवाल संघ करेंगे नागरिक अभिनंदन

विश्राम के पश्चात, दोपहर 3:30 बजे श्रीमती गुप्ता होटल इंद्रलोक पहुँचेंगी, जहाँ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढरू) द्वारा उनका अभिनंदन किया जाएगा। इसके तुरंत बाद, शाम 4:00 बजे गांधी मैरिज होम में अग्रवाल संघ मुरैना द्वारा एक वृहद नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे।

घिरोना सरकार हनुमान जी के दर्शन और कांवड़ सेवा में होंगी शामिल

शाम 5:00 बजे निवास पर लौटने के बाद, श्रीमती लता गुप्ता शाम 6:00 बजे प्रसिद्ध घिरोना सरकार हनुमान जी मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए जाएँगी। आस्था के इस केन्द्र पर वे समाज द्वारा आयोजित की जा रही 'कांवड़ सेवा' का अवलोकन करेंगी और सेवादारों का उत्साहवर्धन करेंगी।

दिनभर के कार्यक्रमों के अंत में, शाम 7:30 बजे बानमोर स्थित शुभहिम होटल में रोटरी क्लब चंबल द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी।

श्रीमती लता गुप्ता के इस दौरे को लेकर मुरैनावासियों में अपनी माटी की इस गौरवशाली हस्ती के स्वागत के लिए खासा उत्साह देखा जा रहा है। शहर में जगह-जगह उनके स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं।

लार्वा मुक्त अभियान के तहत विद्यार्थियों को दिया गया मलेरिया और डेंगू से बचाव का प्रशिक्षण

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए जिले में लार्वा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय तथा जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. महेंद्र यादव के मार्गदर्शन में शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नूराबाद, शासकीय मॉडल स्कूल मुरैना और शासकीय कन्या हाई स्कूल नूराबाद में कुल 110 छात्र-छात्राओं को मच्छरजनित रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को मच्छरों के जीवन चक्र, लार्वा की उत्पत्ति, मलेरिया और डेंगू के लक्षण, संक्रमण के कारणों और बचाव के तरीकों के बारे में सरल भाषा में बताया गया। सीएचआरआई संस्था के संभागीय समन्वयक विजय मिश्रा और मलेरिया निरीक्षक देवदत्त उपाध्याय ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देते हुए घर और विद्यालय परिसर में पानी जमा नहीं होने देने, कूलर और पानी के बर्तनों की नियमित सफाई करने, मच्छरदानी का उपयोग करने तथा बुखार होने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी मच्छरजनित रोगों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। यह कार्यक्रम जिला स्वास्थ्य समिति, मलेरिया विभाग और सीएचआरआई संस्था के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम को प्रभावी बनाना और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना है।

320 किसानों को खाद वितरित

अजय भारत न्यूज

जौरा,(का,सं) । मार्केटिंग सोसायटी के तत्वाधान में क्षेत्र के किसानों को लगातार खाद का वितरण किया जा रहा है खाद वितरण केंद्र के प्रभारी विकास जैन से मिली जानकारी के अनुसार 8 अगस्त को 320 किसानों को नियमानुसार यूरिया खाद एवं डीएपी का वितरण किया गया वही 300 किसानों के आधार कार्ड भी जमा करवाई गई जिन्हें मंगलवार बुधवार तक नियम अनुसार खाद का वितरण किया जाएगा सोमवार मंगल को उन किसानों को भी खाद के बैग उपलब्ध कराए जाएंगे जिनके आधार कार्ड तीन से चार दिन पहले जमा किए गए हैं गौर तलब है कि अनुविभागीय अधिकारी शुभम शर्मा के निर्देशन एवं पुलिस बल की मौजूदगी में पुरानी तहसील प्रांगण में पिछले 8 दिनों से किसानों को खाद उपलब्ध कराया जा रहा है सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक किसने की आधार कार्ड जमा कराई जाती हैं 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक उन्हें नियम अनुसार खाद के कूपन वितरित किए जाते हैं

उत्तर मध्य रेलवे

झाँसी_एम_26_07 | दिनांक: 06.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/यॉत्रिक, झाँसी, उत्तर मध्य रेल निर्धारित निविदा प्रारूप में निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ऑनलाईन निविदायें (ई-टेण्डरिंग) आमंत्रित की जाती हैं ।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी_एम_26_07 | **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 5,53,39,645.36/-

कार्य का उसके स्थान सहित नामः "केयूआरजे कोचिंग डिपो से चलने वाली ट्रेन के ऐसी कोचों में लिनेन की मशीनीकृत धुलाई, इस्त्री, पैकेजिंग, परिवहन एवं वितरण का कार्य 03 वर्ष की अवधि के लिए।"

धरोहर राशिः ₹ 4,26,700/- | **कार्य समापन की अवधिः** 36 महिने

निविदा बंद करने की तारीख एवं समयः 29.08.2026 बंद होने का समय 14:00 बजे।

• निविदा दिनांक 29.08.2026 को 14:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा प्रस्तुत करने के लिये भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध कराया गया है। 1819/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भाजपा नगर मंडल की कामकाजी बैठक में कार्यकर्ताओं का सम्मान

डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म में जिले में प्रथम स्थान पाने वाले कार्यकर्ताओं और नव नियुक्त वरिष्ठ पार्षदों का किया सम्मान

अम्बाह। अजय भारत न्यूज

नगर के जानकी गार्डन में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अम्बाह की कामकाजी बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कार्यकर्ताओं तथा नगर पालिका परिषद में नव नियुक्त वरिष्ठ पार्षदों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी रामरूप तोमर, जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन, जिला मंत्री साधु राठौर, पूर्व मंडल अध्यक्ष कविंद्र सिंह तोमर, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक बच्चूलाल गुप्ता, नगर मंडल अध्यक्ष सचिन बच्चूलाल गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कंचन चौहान सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता ही आधार : जिनेश जैन

भाजपा जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करना कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सीखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लगातार संगठन की विचारधारा और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को तकनीक के साथ जोड़ना वर्तमान समय की आवश्यकता है।

हर कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण : सचिन गुप्ता

नगर मंडल अध्यक्ष सचिन बच्चूलाल गुप्ता ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। कामकाजी बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की आगामी गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि नगर मंडल में सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने सम्मानित कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान अन्य कार्यकर्ताओं को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़ाएं सहभागिता : रामरूप तोमर

भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी रामरूप तोमर ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और निरंतर सक्रियता से मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने और संगठन के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कार्यकर्ताओं को तकनीकी रूप से भी दक्ष होना जरूरी है।

कार्यक्रम का संचालन मंडल उपाध्यक्ष संतोष वर्मा ने किया, जबकि आभार राजकुमार राठौर ने व्यक्त किया।

बैठक में अविनाश शर्मा, शिशुपाल सखवार, संतोष वर्मा, प्रदीप शर्मा, सत्यवीर कपासिया,सोनू गोयल, पुत्तू कुशवाह, कालू जादौन, सुमन राय, अशोक मुद्गल, रामस्वरूप सखवार, गिर्राज तिवारी, रघुराज ठेकुले, रामविलास कुशवाह, किशोरी गुप्ता, शैलेंद्र तोमर, गौरव तोमर, प्रदुम्न विधूड़ी, मुकेश राठौर, विनोद ढोडी, अनिल श्रीवास, रामनिवास सिंह तोमर, योगेश तिवारी, राजीव मुद्गल, बहादुर प्रजापति, भूरा तोमर, कदम सिंह कुशवाह, अवधेश राठौर, प्रदीप कटारे, धर्मेंद्र गुप्ता, दीपू भदौरिया, चिरपुरा, पिंटू चौहान, अंकित पाराशर, ऋषि शर्मा, लावला पंडित, दशरथ ओझा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खास खबर — राष्ट्रीय सनातन सेना के पूर्व में दिए आवेदनों के बाद निरीक्षण, दुकानदारों को नियमों का पालन करने के निर्देश

मंदिर के पीछे मीट की दुकानों पर नगरपालिका की टीम की कार्रवाई, काटने के उपकरण जब्त

रवि उपाध्याय

सबलगढ़ । सबलगढ़ में मंदिर परिसर के आसपास गंदे पानी की निकासी और मीट-मांस की दुकानों को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत द्वारा पूर्व में दिए गए आवेदनों का असर दिखाई देने लगा है। शनिवार को राष्ट्रीय सनातन सेना भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक मरैया, जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, पुष्पेंद्र सिकरवार, नगर अध्यक्ष पंकज माथुर तथा नगर पालिका सबलगढ़ के सीएमओ अटार सिंह रावत अपनी टीम के साथ मंदिर के पीछे संचालित मीट की दुकानों का निरीक्षण करने पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान नगरपालिका की टीम ने दुकानों की स्थिति देखी और वहां साफ-सफाई सहित मीट काटने की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कुछ दुकानों पर मीट काटने के सामान रखे पाए गए, जिन्हें नगरपालिका टीम द्वारा जब्त किया गया। टीम ने दुकानदारों को नियमों के अनुसार व्यवसाय करने तथा मंदिर परिसर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

पूर्व में दिए गए आवेदन पर हुई कार्रवाई

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सनातन सेना भारत द्वारा पूर्व में एसडीएम एवं नगर पालिका प्रशासन को आवेदन देकर प्राचीन श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के आसपास संचालित मीट-मांस की दुकानों तथा कॉम्प्लेक्स से निकलने वाले गंदे पानी की समस्या को लेकर शिकायत की गई थी। संगठन ने चेतावनी दी थी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

इसके बाद नगर पालिका की ओर से संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए थे और कार्रवाई के लिए समय भी दिया गया था। अब नगरपालिका की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण और सामान जब्त किए जाने से मामले में कार्रवाई आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

मंदिर की पवित्रता और स्वच्छता का मुद्दा उठा

राष्ट्रीय सनातन सेना के पदाधिकारियों का कहना है कि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर के पीछे मीट की दुकानों का संचालन और आसपास गंदगी की स्थिति श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को प्रभावित कर रही है। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर परिसर की पवित्रता बनाए रखने के लिए नियमों के तहत प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा गंदे पानी की निकासी की भी स्थायी व्यवस्था कराई जाए।

राष्ट्रीय सनातन सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व में दिए गए आवेदनों पर प्रशासन द्वारा शुरू की गई कार्रवाई का स्वागत है, लेकिन जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक संगठन मामले की निगरानी करता रहेगा।

मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़
नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

दैनिक अजय भारत

8

भिण्ड , रविवार 9 अगस्त 2026

सच्ची सेवा वहीं जो मन से की जाये: विद्यानंद सरस्वती

व्यापारी हित में एकजुटता से काम करें: आशीष अग्रवाल
अग्रवाल महासभा ने चेंबर पदाधिकारियों का सम्मान किया

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

प्रख्यात संत आचार्य महामंडलेश्वर विद्यानंद सरस्वती ने कहा है कि सच्ची सेवा वहीं हैं जो मन से और दिन से की जाये। प्रत्येक व्यक्ति के मन मं सेवाभाव होना चाहिये, तभी वह सच्चा इंसान है। सेवा किसी भी क्षेत्र में हो सकती है। महामंडलेश्वर विद्यानंद सरस्वती बीती रात्रि जैन छात्रावास में अग्रवाल महासभा द्वारा मप्र चेंबर आफ कामर्स के पदाधिकारियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। महामंडलेश्वर विद्यानंद सरस्वती ने कहा कि मप्र चेंबर आफ कामर्स में जीते सभी पदाधिकारियों को उनका आर्शीवाद है। अपेक्षा है कि वह अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले हर व्यापारी भाई व व्यापारी समाज की सेवा को तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि डा. प्रवीण अग्रवाल के नेतृत्व में यह टीम अच्छा कार्य करेगी ऐसी उन्हें उम्मीद है। उन्होंने संयुक्त अध्यक्ष सुरेश बंसल, उपाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल, सचिव दीपक अग्रवाल, सहसचिव दीपक पमनानी व कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल बाबा को भी सम्मान पत्र भेंट कर आर्शीवाद दिया।

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने अपने उदबोधन में सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में आप लोगों ने व्यापारियों की सबसे प्रतिष्ठित संस्था चेंबर आफ कामर्स में तो चुनाव जीता है, लेकिन इसके साथ ही आपने व्यापारियों का दिल भी जीत लिया है। इसी कारण चेंबर के कड़े मुकाबले में आप विजयी हुये। लेकिन मैं आपसे आव्हान करूंगा अब आप सभी मिलकर व्यापार जगत व व्यापारी हित में एकजुटता से काम करें।

इन्होने भी रखे विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रसिद्ध व्यवसायी व पूर्व अग्रवाल महासभा अध्यक्ष अशोक गोयल ने भी इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत भाषण अग्रवाल महासभा अध्यक्ष व चेंबर के संयुक्त अध्यक्ष सुरेश बंसल ने किया।

सम्मान किया

सम्मान समारोह में सभी विजयी कार्यकारिणी सदस्यों को भी सम्मानपत्र बांटे गये। इस मौके पर अग्रवाल महासभा के महामंत्री रवि गर्ग, कोषाध्यक्ष जेसी गोयल, जगदीश मित्तल, विनय अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, नरेन्द्र सिंघल, राजीव अग्रवाल, दीपक जैन, गिर्राज गर्ग लडडू वाला, आशीष जैन, रविन्द्र सिंघल, गोकुल बंसल, हेमंत गुप्ता, बसंत अग्रवाल आदि भी उपस्थित थे।

गरीब को कानूनी मदद देना अहसान नहीं, उसका हक है
इंदौर में सीजेआई सूर्यकांत ने सिस्टम को दिखाया आईना

■ असली परीक्षा यह है कि जो हमारे पास नहीं आया, हम उसके पास कैसे पहुंचें

पेज -1 से जारी

न्याय की राह सिर्फ कानून की धाराओं से नहीं खुलती, उसके लिए किसी की पीड़ा को सुनना और समझना भी जरूरी है। इंदौर में वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस में सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने न्याय व्यवस्था की इसी मानवीय कसौटी को सामने रखा। उन्होंने कहा कि न्याय की पहुंच संवाद से संभव है और असली चुनौती उन लोगों तक पहुंचना है, जो अपनी आवाज लेकर हमारे दरवाजे तक नहीं आ पाए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को इंदौर में आयोजित 'इंहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'सशक्त भविष्य, गरिमा और समावेशन सिर्फ भारी-भरकम शब्द नहीं, बल्कि यही विधिक सहायता की असली परिभाषा हैं। न्याय की सुगम पहुंच सिर्फ किताबों या अदालतों के दम पर नहीं, बल्कि सीधे संवाद से ही संभव है।'

जस्टिस सूर्यकांत ने दोटूक शब्दों में कहा कि समाज के गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों को कानूनी मदद देना कोई 'चैरिटी' या अहसान नहीं है, बल्कि यह उनका संवैधानिक अधिकार है।

असल परीक्षा उसकी, जो चौखट तक नहीं आया

समानता और सुशासन का असली अर्थ बताते हुए सीजेआई ने कहा, 'हमारी क्षमता केवल इसमें नहीं है कि जो व्यक्ति अदालत तक पहुंच गया, हमने उसकी मदद कर दी। असली परीक्षा तो यह है कि जो लाचारी या अज्ञानता के कारण हम तक नहीं पहुंच सका, हम उस तक कैसे पहुंचे।' उन्होंने कहा कि सिर्फ नई योजनाएं लॉन्च करने से बदलाव नहीं आएगा, बल्कि जब तक हर पीड़ित की बात सम्मान से नहीं सुनी जाएगी, न्याय अधूरा रहेगा।

4 मुख्य बातें

1. जिस तरह एक डॉक्टर मरीज से बात करके उसकी तकलीफ समझता है, उसी तरह पीड़ितों की समस्या को उनकी ही स्थानीय भाषा और शब्दों में समझना होगा।
2. किसी भी विवाद को सुलझाने की पहली शर्त यह है कि पीड़ित को यह भरोसा हो कि उसकी बात कोई संजीदगी से सुन रहा है।
3. पैरा लीगल वॉलेंटियर्स सामाजिक व्यवस्था के सबसे करीब हैं। वे किसी लीगल सेना की तरह वही काम कर रहे हैं जो कभी महात्मा गांधी ने समाज के लिए किया था।
4. मध्य प्रदेश के आदिवासियों, गोवा के मछुआरों, गुजरात के मजदूरों और मुंबई की महिलाओं की समस्याएं अलग हैं; इसलिए हर क्षेत्र के लिए एक जैसा फॉर्मूला काम नहीं करेगा।

देवी अहिल्याबाई के न्याय मॉडल का जिक्र

इंदौर को ऐतिहासिक पावन धरा की सराहना करते हुए सीजेआई ने कहा कि 'लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का शासन सीधे संवाद पर आधारित था। वे प्रतिदिन बिना किसी रुकावट के आम जनता, किसानों और विधवाओं से मिलती थीं और मौके पर ही न्याय करती थीं। आज की न्याय प्रणाली को भी उसी समर्पण और निष्पक्षता की जरूरत है।'

संवाद से ही निकलेगा समाधान

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सशक्त भविष्य, गरिमा और समावेशन केवल शब्द नहीं, बल्कि विधिक सहायता की वास्तविक परिभाषा हैं। किसी विवाद में समाधान की शुरुआत सामने वाले को सुनने से होती है। मध्यस्थता भी संवाद से शुरू होती है। उन्होंने कहा कि पीड़ित के साथ पहले मानवीय व्यवहार होना चाहिए, उसकी समस्या सुनी जाए और फिर समाधान की दिशा में प्रयास किया जाए।

सड़क दुर्घटना में घायल 2 व्यक्तियों को पहुँचाया अस्पताल

मुरैना। अजयभारत न्यूज

मुरैना जिले के थाना देवगढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से मोटर साइकिल दुर्घटना में घायल दो व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 7 अगस्त को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना देवगढ़ क्षेत्र में मोटर साइकिल से गिरने के कारण दो व्यक्ति घायल हो गए हैं। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही देवगढ़ थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

(सफलता की कहानी)

जीबीएस ने छीनी थी चलने-फिरने की ताकत, नियमित फिजियोथेरेपी ने लौटाया आत्मविश्वास

मुरैना। अजय भारत न्यूज

बीमारी जब अचानक किसी व्यक्ति की रोजमर्रा की जिंदगी को पूरी तरह बदल देती है, तब उपचार के साथ-साथ उम्मीद और हौसले की भी उतनी ही जरूरत होती है। सबलगढ़ निवासी श्री आदित्य बंसल के लिए वर्ष 2026 ऐसा ही कठिन दौर लेकर आया, जब वे गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी की चपेट में आ गए। देखते ही देखते उनके दोनों हाथों और पैरों में इतनी अधिक कमजोरी आ गई कि चलना-फिरना तो दूर, उठना-बैठना, हाथों से कोई वस्तु पकड़ना और स्वयं भोजन करना भी उनके लिए संभव नहीं रह गया। एक समय ऐसा आया जब उन्हें अपने छोटे-छोटे दैनिक कार्यों के लिए भी परिजनों की मदद लेनी पड़ती थी।

आदित्य और उनके परिवार के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण था। सामान्य जीवन जीने वाला व्यक्ति अचानक दूसरों पर निर्भर हो जाए तो उसका असर केवल शरीर पर ही नहीं, बल्कि मनोबल पर भी पड़ता है। प्रारंभिक उपचार के बाद भी जब अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, तब उन्हें जिला चिकित्सालय मुरैना के फिजियोथेरेपी विभाग में उपचार के लिए भेजा गया।यहीं से आदित्य के जीवन में धीरे-धीरे बदलाव की शुरुआत हुई। फिजियोथेरेपी विभाग में चिकित्सकों ने उनकी स्थिति का परीक्षण कर उनके लिए नियमित फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया। डॉ. अनिल इंदौलिया एवं डॉ. विकास सविता के मार्गदर्शन में उन्हें मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाने, शरीर का संतुलन विकसित करने और दैनिक गतिविधियों को दोबारा सामान्य बनाने के लिए नियमित अभ्यास कराया गया।शुरुआत आसान नहीं थी। कमजोर शरीर के साथ प्रत्येक गतिविधि के लिए प्रयास करना पड़ता था, लेकिन आदित्य ने हिम्मत नहीं छोड़ी। नियमित उपचार, लगातार अभ्यास और चिकित्सकीय टीम की निगरानी के साथ उनकी शारीरिक क्षमता में धीरे-धीरे सुधार आने लगा। जो व्यक्ति कुछ समय पहले अपने दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर था, उसने फिर से अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में कदम बढ़ाना शुरू किया।लगातार फिजियोथेरेपी का असर अब साफ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में आदित्य लगभग 90 प्रतिशत तक स्वस्थ हो चुके हैं। वे अब बिना किसी सहारे चल-फिर सकते हैं, स्वयं उठ-बैठ सकते हैं, हाथों से वस्तुए पकड़ सकते हैं और अपने दैनिक कार्य स्वयं करने में सक्षम हैं। उनके जीवन में लौटी यह सामान्यता उनके लिए केवल शारीरिक सुधार नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए आदित्य बंसल और उनके परिजनों ने जिला चिकित्सालय मुरैना के फिजियोथेरेपी विभाग एवं चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि कठिन समय में चिकित्सकों का मार्गदर्शन, नियमित फिजियोथेरेपी और लगातार देखरेख ने उन्हें न केवल स्वस्थ होने में मदद की, बल्कि फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने का विश्वास भी दिया।

आदित्य की कहानी इस बात की प्रेरक मिसाल है कि गंभीर बीमारी के बाद भी धैर्य, निरंतर प्रयास और विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख से जीवन को फिर से सामान्य दिशा में लाया जा सकता है। जिला चिकित्सालय मुरैना की चिकित्सकीय टीम द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रयासों से आदित्य जैसे मरीजों को उपचार के साथ नई उम्मीद और आत्मविश्वास मिल रहा है। यह सफलता सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में आमजन के विश्वास को मजबूत करने वाली एक सकारात्मक मिसाल भी है।

सीएम डॉ. यादव आज चार नई हवाई सेवाओं का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 9 अगस्त को राजा भोज एयरपोर्ट, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की चार नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता हवाई मार्ग शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को फ्लैग ऑफ करेंगे। इन नई सेवाओं के शुरू होने से प्रदेश की आंतरिक एवं अंतर्राज्यीय हवाई कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी। इन सेवाओं का संचालन अलायन्स एयर द्वारा किया जाएगा। इन सभी घरेलू हवाई मार्गों को मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक राउंड ट्रिप पर राज्य शासन द्वारा 10 लाख रुपये तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग दी जाएगी।

भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को करेंगे फ्लैग ऑफ

राज्य सरकार द्वारा हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शहरों को देश के प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने और नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नीति के अंतर्गत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से चार मार्गों पर हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि चार नए मार्गों पर सेवाएं प्रारंभ की जा रही हैं। नीति के अंतर्गत पहले प्रारंभ किए गए मार्गों में रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर, रीवा-रायपुर और इंदौर-अबूधाबी शामिल हैं।

अद्भुत..आश्चर्य ...बेमिसाल

...इन कैमरा

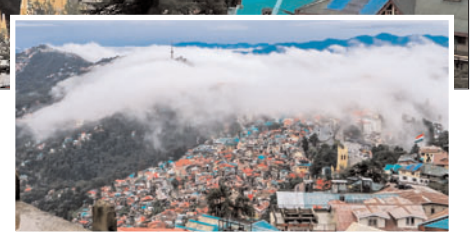

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण कुल्लू में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जबकि शिमला में आसमान बादलों से घिरा हुआ है। मानसून ने पहाड़ी राज्य में एक अद्भुत नजारा पेश किया है-शिमला में आसमान बादलों से ढका है और कुल्लू में ब्यास नदी उफान पर है। - एजेंसी

ईश्वरा महादेव दर्शन के लिए जा रहे बाइक सवार की हादसे में मौत, भाई घायल

अजय भारत न्यूज

पहाड़गढ़,(कासं) । पहाड़गढ़ थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमन यादव पुत्र अशोक यादव, निवासी आलापुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अमन अपने भाई हरिओम के साथ ईश्वरा महादेव के दर्शन के लिए बाइक से जा रहा था। बता दे कि बाइक पहाड़गढ़ रोड पर करीब दो किलोमीटर आसपास पहुंची थी, तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पड़े पत्थर से टकरा गई और फिसल गई। हादसे में बाइक सवार दोनों भाई घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल अमन यादव को उपचार के लिए पहले कैलारस अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे मुरैना जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर ने प्राथमिक जांच के बाद शनिवार को करीब 3:00 बजे अमन को मृत घोषित कर दिया।मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएम हाउस में रखवाया गया है। वहीं, हादसे में उसके भाई हरिओम को मामूली चोटें आई हैं।

खास खबर | सास-ससुर को भी पुलिस ने पकड़ा, लाइसेंसी पिस्टल बरामद

पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी फौजी सोहन गिरफ्तार

मुरैना। अजयभारत न्यूज

मुरैना के अंबाह थाना क्षेत्र में पत्नी रानी सिकरवार की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी फौजी पति सोहन उर्फ सोनू सिकरवार समेत उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सोहन सिकरवार ने पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया है। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस के अनुसार 5 अगस्त 2026 को मृतका के पिता सुरेश सिंह तोमर निवासी ग्राम करके का पुरा मौजा बड़ी कौथर ने अंबाह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी रानी सिकरवार की उसके पति सोहन सिकरवार ने अपने माता-पिता के उकसावे में आकर लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। फरियादी की शिकायत पर अंबाह थाने में अपराध क्रमांक 361/2026 के तहत बीएनएस की धारा 103(1) और 3(5) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। एसडीओपी रवी भदौरिया के अनुसार फौजी पति द्वारा पत्नी की हत्या किए जाने से क्षेत्र में आक्रोश की स्थिति थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सोहन सिकरवार सहित उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया।

पिस्टल भी बरामद

पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी सोहन सिकरवार ने पत्नी रानी की हत्या करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्टल बरामद कर ली। पुलिस के मुताबिक बरामद पिस्टल की कीमत करीब 40 हजार रुपए है। मामले में पुलिस आगे की जांच और आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अजय दीक्षित द्वारा अजय भारत प्रिंटिंग प्रेस, प्रेस काम्पलेक्स, ग्वालियर रोड मुरैना से मुद्रित एवं वीरेन्द्र वाटिका, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, लहार रोड भिण्ड म.प्र. से प्रकाशित।
R.N.I. पंजीयन क्रमांक MPHIN/2014/58809, प्रधान संपादक अजय दीक्षित मो. 94251-26037, प्रबंध संपादक अरूण कुमार दीक्षित मो.-94251-26036 कार्या. फोन/फैक्स: 07534-230308 email-ajaybharatmorena@gmail.com